अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 238 लखनऊ, सोमवार, 17 मार्च 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

मीडिया की भूमिका और प्रासंगिकता को कम नहीं किया जा सकता : सीएम

● कई स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने मीडिया के जरिये अपने करियर को आगे बढ़ाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया को मान्यता दी गयी है। मीडिया ही लोकतंत्र के प्रति सजग प्रहरी के रूप में सबसे महत्वपूर्ण मुद्?दे की ओर आकर्षित कर अन्य तीन स्तंभों को किसी न किसी रूप में झकझोरती है। किन्ही कारणों से छूटे हुए मुद्?दों को सही तथ्यों के साथ प्रस्तुत कर जन सरोकार से जोड़ती है। मीडिया की भूमिका पूरी दुनिया में समय-समय पर अलग-अलग रूप में देखने को मिली है। गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश का केंद्र बिंदु है। ऐसे में गोरखुपर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यहां नई कार्यकारिणी का निर्णय आस-पास के जनपदों और संस्थानों पर पड़ेगा। इसे ध्यान में रखकर नई कार्यकारिणी को जन सरोकारों से जुड़ करके संवेदनशील बनना होगा तभी नई कार्यकारिणी की भूमिका महत्वपूर्ण और प्रासंगिक होगी।ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर में आयोजित गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में कही। कार्यक्रम के दौरान महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपे और बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में कई ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं, जिन्होंने अपने करियर को मीडिया के जरिये आगे बढ़ाने का काम किया था। देश के स्वाधीनता आंदोलन में उन्होंने पत्रकारिता के रूप में अपनी अहम भूमिका निभायी थी। इसमें सबसे पहला नाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आता है, उन्होंने अपनी लेखनी से समाचार पत्रों को प्रोत्साहित किया था। लोकमान्य तिलक ने जन चेतना को जागरूक करने के लिए गणपति महोत्सव का आयोजन किया। इसके अलावा लाल लाजपत राय, गणेश शंकर विद्यार्थी आदि ने अपनी लेखनी की धार से समाज को नई दिशा दी। जिस समय देश के लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा था तब समाचार समूहों ने अपनी लेखनी के माध्यम से लोकतंत्र को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। मीडिया की भूमिका और प्रासंगिकता को परिवर्तनशील माहौल में भी कभी कम नहीं किया जा सकता है। आज टेक्नोलॉजी से पूरी दुनिया में तेजी से बदलाव हो रहा है। ऐसे में मीडिया जगत में भी तेजी के साथ बदलाव हो रहा है ताकि समाज तक टेक्नोलॉजी से जुड़ करके सही तथ्यों को उन तक पहुंचाया जा सके। आज युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही है क्योंकि उसके पास समय कम है। ऐसे में मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गयी है कि उन तक सकारात्मक चीजें पहुंचाई जाएं क्योंकि कुछ लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म का दुरुपयोग कर नकारात्मकता फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में मीडिया जगत अपनी जिस भूमिका के लिए जाना जाता है, उसी भूमिका के साथ उसे आगे बढ़ना होगा। यह न केवल लोकतंत्र बल्कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए बड़ा कार्य होगा।

लोकतंत्र की पहली शर्त संवाद है, इसे प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में मीडिया है सशक्त माध्यम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन और लोकतंत्र की पहली शर्त संवाद है। हम जबरन अपनी बात को किसी पर थोप नहीं सकते हैं, लेकिन संवाद से बड़े से बड़ी समस्या का समाधान कर सकते हैं। वहीं जब भी हम संवाद की भाषा से अपने आप को अलग करते हैं तो नये संघर्ष को बढ़ावा मिलता है। हमें उस संघर्ष से बचने की आवश्यकता है। ऐसे में अगर मीडिया उस संवाद की भाषा को प्रभावित ढंग से आगे बढ़ाएगी तो निश्चित रूप से बहुत सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। सीएम ने कहा कि संवाद को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम मीडिया है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि एक लाख लोगों को इकट्ठा करके अपनी बात कही जाए, इसके लिए कुछ लोग ही पर्याप्त हैं। वहीं लोग करोड़ तक आपकी आवाज को पहुंचाएंगे। इसके लिए मीडिया को आगे आना होगा। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रीतेश मिश्र ने कहा कि जब कोई कर्मशील, प्रेरक और निःस्वार्थ व्यक्ति अपनी उपादेयता से समाज और राष्ट्र को सर्वग्राह्य होता है तो संबोधन के लिए बड़े से बड़ा पद भी उनके व्यक्तित्व की ऊंचाई का भान कराने में अपना सामर्थ्य साबित नहीं कर सकता है। सबकी वाणी और सबके मन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हम सभी के भाव ऐसे ही जुड़े हुए हैं।

संक्षिप्त

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने जीएसटी के रूप में सरकार को दिये 272 करोड़ रुपये

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 272 करोड़ रुपये जीएसटी के रूप में सरकार को भुगतान किया है, जबकि सात करोड़ चालिस लाख रुपये लेबर फंड के तौर श्रमिकों के लिये भुगतान किया गया है। श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मणिरामदास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास की अध्यक्षता में यह बैठक आज सम्पन्न हुई, जिसमें इस मौके पर चार सदस्य विशेष आमंत्रित के तौर पर और चार सदस्य वर्चुअल के तौर पर बैठक में शामिल हुए। पदेन सदस्य जिलाधिकारी अवकाश रहने के कारण कार्यवाहक जिलाधिकारी बैठक में शामिल हुए हैं। ट्रस्ट के दो सदस्य अनुपस्थित रहे। व्यवस्तता के कारण राज्य सरकार के पदेन सदस्य भी नहीं शामिल हुए। ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल के निधन से उनका स्थान रिक्त हुआ है। सदस्य कामेश्वर चौपाल और पुजारी सत्येंद्र दास को इस बैठक में सभी सदस्यों ने श्रद्धांजलि दी।

संभल : विवादित शाही जामा मस्जिद की रंगाई पुताई शुरू

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के संभल जनपद में विवादित शाही जामा मस्जिद की रंगाई पुताई रविवार को शुरू हो गई। मजदूरों ने सबसे पहले मस्जिद दीवार पर झूला डालकर पुताई आरम्भ की। शनिवार को दोपहर में भारतीय पुरात्व सर्वेक्षण (एएसआई) की तीन सदस्यीय टीम पेंटर व मजदूरों के साथ पहुंची थी। इस दौरान मस्जिद की लम्बाई चौड़ाई की नपाई की गई थी। मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट ने बताया हाईकोर्ट के निर्देश पर सात दिन के अंदर मस्जिद की रंगाई पुताई का कार्य पूरा करना है। इसी के चलते आज पुताई कार्य आरम्भ हो गया है।

आने वाले चुनाव मजबूती से लड़ने के लिए संगठन करें मजबूत : अखिलेश

जालौन। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रविवार को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर जालौन से गुजरते हुए पार्टी जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर और कार्यकर्ताओं से मिले। उन्होंने छिरिया सलेमपुर के पास अपना काफिला रोक बातचीत करते हुए जिलाध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं को 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी जुट जाने की बात कही। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में संगठन को और मजबूत करें, जिससे सपा की सरकार बनाई जा सके। इसके साथ ही आगामी जिला पंचायत और ग्राम पंचायत चुनावों की तैयारियों के लिए भी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर भी पार्टी को मजबूत करना है।

दुनिया के सामने नई चुनौतियों के चलते ही कई देशों में शासन का पतन हुआ : आर्मी चीफ

● नए खतरों में आतंकवाद, कट्टरपंथ और बड़े पैमाने पर साइबर हमले भी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि इस समय दुनिया नई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसके कारण इराक, लीबिया, सीरिया, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और कई अन्य देशों में शासन का पतन हुआ है।

अंशकालिक मित्रता एक नई उभरती हुई घटना है, जिसे 'मजबूरी में दोस्त' भी कहा जाता है। एक निर्वाचित सरकार की अवधि या एक निर्वाचित नेता का पतन एक राष्ट्र के पूरे दृष्टिकोण को बदल रहा है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को नई दिल्ली में देश के पहले आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल बिपिन रावत की याद में चौथे व्याख्यान 'उभरते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में बदलते प्रतिमान' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा, हम देखते हैं कि अमेरिका, कनाडा या बांग्लादेश में क्या हो रहा है। दुनिया यूक्रेन और गाजा में दो बड़े संघर्षों से अभी-अभी उबर रही है, जिसमें अधिकांश देशों ने यथार्थवाद, आदर्शवाद या धर्म के आधार पर पक्ष लिया था। इस उथल-पुथल में चल रहे उप-राष्ट्रीय संघर्ष और वैश्विक शांति के लिए आम खतरे जैसे आतंकवाद, कट्टरपंथ और बड़े पैमाने पर साइबर हमले भी शामिल हैं।

पाकिस्तान आतंक छोड़ सही रास्ता अपनाए : प्रधानमंत्री

● मैंने आरएसएस जैसे प्रतिष्ठित संगठन से जीवन का सार सीखा : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रसारित एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में भारत की विदेश नीति और बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को अपनी गलतियों से सीखने और सही रास्ता अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका निभाने में विफल रही हैं। उन्होंने

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, चीन के साथ रिश्तों और यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भी बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने आज अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ साक्षात्कार किया। उन्होंने इस दौरान कई विषयों पर पर चर्चा की। पाकिस्तान पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ संबंधों को सुधारने के लिए उन्होंने ईमानदारी भरे कई प्रयास किए, लेकिन हर बार हमें धोखा और शत्रुता ही मिली है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अपने शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया। वे विशेष विमान यात्रा पर पाकिस्तान भी गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साक्षात्कार में बार-बार दोहराया कि भारत शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की जनता भी शांति चाहती है। पाकिस्तान न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। वे अपनी आतंकवाद समर्थन की नीति नहीं बदल रहा है। हालांकि, पाकिस्तान इस बात को नहीं समझ पा रहा कि अपने यहां अराजगक तत्वों को बढ़ावा देने से उसका ही नुकसान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पाकिस्तान अपनी गलतियों से सीख कर सही रास्ता अपनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साहस की प्रशंसा की और कहा कि वह अपने देश अमेरिका को फर्स्ट बनाना चाहते हैं जैसे कि वह स्वयं अपने देश को फर्स्ट बनाना चाहते हैं।

मप्र के सिंगरौली में बड़ा हादसा टला

ट्रैक पर दौड़ती इंटरसिटी एक्सप्रेस दो हिस्सों में बंटी, यात्रियों में मचा हड़कंप

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में रविवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां पटरी पर दौड़ती सिंगरौली से जबलपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। बोगी अलग होने के बाद ट्रेन करीब एक किलोमीटर दूर निकल गई। गनीमत रही कि ट्रेन की स्पीड ज्यादा नहीं थी। धीमी गति से चलने के कारण बड़ा रेल हादसा होते होते टल गया। इस घटना के चलते ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। ट्रेन रुकने के बाद लोग गाड़ी से नीचे उतरे। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। फिलहाल, रेलवे की एक टीम हादसे के कारणों की जांच में जुट गई है। ये पूरी घटना ब्यौहारी स्टेशन से पहले की है।

यह हादसा रविवार सुबह 7:40 बजे शहडोल जिले के ब्यौहारी रेलवे स्टेशन से 2 किलोमीटर आगे एक रेलवे पुल पर हुआ। सिंगरौली से जबलपुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 11651 दो हिस्सों में बंट गई। हादसे के समय ट्रेन के 5-6 डिब्बे इंजन के साथ रहे जबकि थर्ड एसी के बाद के चार डिब्बे पीछे छूट गए। ट्रेन के अलग होते ही चालक दल ने ट्रेन रोक तो दी लेकिन तब तक ट्रेन कुछ आगे निकल चुकी थी। इससे यात्रियों को तेज झटका लगा। शुरुआत में यात्रियों को लगा कि किसी ने चेन पुलिंग की है। इसके बाद ट्रेन के ही स्टाफ और ट्रेन में मौजूद गार्ड ने मिलकर इंजन वाले हिस्से को रिवर्स कर पीछे किया और पीछे छूट गए डिब्बों को आपस में जोड़ा, जिसमें तकरीबन 30 मिनट का वक्त लगा। घटना के तुरंत बाद रेलवे अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंची रेलवे टीम ने मरम्मत का काम शुरू किया।

मुख्यमंत्री योगी को जलशक्ति मंत्री ने भेंट की कॉफी टेबल बुक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से रविवार को गोरखपुर दौरे पर पहुंचे जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने मुलाकात की। इस दौरान जलशक्ति मंत्री ने मुख्यमंत्री को कॉफी टेबल बुक भेंट की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद जलशक्ति मंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में शिव अवतारी महायोगी गुरु गोरक्षनाथ के दर्शन किए।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की ओर से गण्डक जलाशय क्षेत्र में किए गए बाढ़ नियंत्रण कार्यों पर आधारित कॉफी टेबल बुक आज मुख्यमंत्री को

भेंट स्वरूप दी गई है।

उन्होंने बताया कि नेपाल स्थित नवल परासी जिले में गंडक नदी के तट पर स्थित बी-गैप तटबंध, स्पर नंबर 13 का निरीक्षण किया गया है। गंडक नदी से जुड़े बाढ़ के विषयों पर अधिकारियों से गंभीरता से चर्चा की गयी है। इसके साथ ही भारत-नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकि बैराज का स्थलीय निरीक्षण भी किया है।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता शुरू व्यापारिक संबंधों में नया अध्याय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने अपने द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता शुरू करने की आज घोषणा की।

यह महत्वपूर्ण पहल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की द्विपक्षीय बैठक के पूर्व संध्या पर की गई। इस निर्णय की आधिकारिक घोषणा भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री श्री टॉड मैक्ले के बीच 16 मार्च 2025 को हुई बैठक के दौरान की गई। इस बैठक ने दोनों देशों के

आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नींव रखी।भारत और न्यूजीलैंड के बीच लंबे समय से साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, मजबूत आपसी संबंधों और आर्थिक पूरकताओं पर आधारित साझेदारी रही है। दोनों देशों ने व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग को निरंतर मजबूत करने का प्रयास किया है। एफटीए वार्ता का उद्देश्य एक संतुलित व्यापार समझौता तैयार करना है, जो आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण को बढ़ावा दे, बाजार पहुंच में सुधार करे और द्विपक्षीय व्यापार को गति प्रदान करे। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने के साथ-साथ व्यापारिक लचीलापन और समृद्धि को भी प्रोत्साहित करेगा।

यह वार्ता ऐसे समय में हो रही है जब वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है और आर्थिक साझेदारियों का महत्व बढ़ता जा रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के इस कदम से दोनों देशों के व्यापारियों, निवेशकों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा।

कांग्रेस ने बोडोलैंड शांति समझौते का उड़ाया था मजाक, आज क्षेत्र में स्थायी शांति: अमित शाह

ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन के 57वें वार्षिक अधिवेशन को शाह ने किया संबोधित

एजेंसी

कोकराझाड़ (असम)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बोडो शांति समझौते की मजबूती को रेखांकित करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। शाह ने कहा कि जब 27 जनवरी 2020 को बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (डीटीआर) शांति समझौता हुआ था, तब कांग्रेस ने इसका मजाक उड़ाया था, लेकिन आज यह समझौता क्षेत्र में स्थायी शांति का आधार बन चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को असम के कोकराझाड़ में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) के 57वें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि समझौते के 82 फीसदी प्रावधान

पहले ही केंद्र और असम सरकार लागू कर चुके हैं। अगले दो वर्षों में इसे पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा, जिससे बोडोलैंड में स्थायी शांति सुनिश्चित होगी। उन्होंने याद दिलाया कि 1 अप्रैल 2022 को पूरे बीटीआर क्षेत्र से अफस्पा हटा लिया गया था, जिससे स्थिरता बढ़ी है। बोडोलैंड की आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कोकराझाड़ के मशरूम 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के तहत राष्ट्रीय पहचान बना चुके हैं और दिल्ली के होटलों में परोसे जा रहे हैं।

● बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा के नाम से जानी जायेगी दिल्ली की एक सड़क: शाह

केन्द्रीय मंत्री शाह ने आब्सू के योगदान की सराहना करते हुए कहा, ''अगर आब्सू न होता तो बोडो समझौता संभव नहीं होता और न ही बोडोलैंड में शांति स्थापित हो पाती।'' उन्होंने पारंपरिक बोडो धर्म बाथौ धर्म को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। केन्द्रीय

गृह मंत्री ने बोडोलैंड के युवाओं से 2036 अहमदाबाद ओलंपिक्स में भाग लेने की तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने बोडो शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज मैं बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की जन्मस्थली पर खड़ा हूं और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं। सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि दिल्ली में एक प्रमुख सड़क का नाम बोडो आंदोलन के नेता उपेंद्र नाथ ब्रह्म के नाम पर रखी जाएगी। इसके अलावा, अप्रैल के पहले सप्ताह में असम के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उनकी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में आज से शुरू होगी गेहूं खरीद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने तय किया है 2425 रुपये प्रति कुंतल समर्थन मूल्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 17 मार्च सोमवार से गेहूं खरीद शुरू होगी, जो 15 जून तक चलेगी। इसके लिए 6500 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं। वहीं केंद्र सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है, जो विगत वर्ष से 150 रुपये प्रति कुंतल अधिक है। पिछले वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति कुंतल था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कर दिए जाएं। सीएम ने जोर दिया है कि क्रय केंद्रों पर आने वाले किसानों के लिए भी समुचित व्यवस्था की जाए। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। मोबाइल केंद्र के माध्यम से किसानों के गांवों में जाकर भी खरीद होगी। गेहूं की बिक्री के लिए पहली मार्च से पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। अब तक प्रदेश के 2.65 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। गेहूं की बिक्री के लिए किसानों को खाद्य व रसद विभाग के पोर्टल fcs.up.gov.in या विभाग के मोबाइल ऐप UP KISHAN MITRA पर पंजीकरण-नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। विभाग ने किसानों से अनुरोध किया है कि गेहूं को ओसाकर, मिट्टी, कंकड़, धूल आदि को साफकर अच्छी तरह से सुखाकर ही क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए लेकर आएं। इस वर्ष भी बटाईदार किसानों द्वारा भी पंजीकरण कराते हुए गेहूं की बिक्री की जा सकेगी। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक रविवार व अन्य अवकाशों को छोड़कर 15 जून तक क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद प्रतिदिन सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक होगी। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। विभाग ने इसकी तैयारी भी कर ली गई है। किसी भी विषम परिस्थितियों के लिए खाद्य व रसद विभाग ने टोल फ्री नंबर 18001800150 जारी किया है। किसी भी समस्या के समाधान के लिए किसान जिला खाद्य विपणन अधिकारी या तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लॉक के विपणन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। इस वर्ष 150 रुपये प्रति कुंतल अधिक है समर्थन मूल्य केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है। पिछले वर्ष यह मूल्य 2275 रुपये प्रति कुंतल था। इस बार सरकार ने 150 रुपये प्रति कुंतल में वृद्धि की है। खाद्य विभाग समेत आठ क्रय एजेंसियों को कुल 6500 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। खाद्य व रसद विभाग ने गेहूं के मूल्य भुगतान सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से सीधे किसानों के आधार लिंक खाते में 48 घंटे के अंदर करने की व्यवस्था बनाई है। 17 मार्च से शुरू होने वाली गेहूं खरीद के लिए विभाग ने सारी तैयारी कर ली है। इस वर्ष मोबाइल केंद्र के माध्यम से गांवों में जाकर किसानों से गेहूं खरीद होगी।

विक्रांत विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। विक्रांत विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, लखनऊ के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता सामाजिक विकास, खेल और संगीत के क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य करने के उद्देश्य से किया गया है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर विक्रांत विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलपति प्रोफ़ेसर अमेरिका सिंह और हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी डॉ. हर्ष वर्धन अग्रवाल द्वारा किए गए। इस एमओयू के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर समाज के उत्थान, युवाओं के सर्वांगीण विकास तथा खेल और संगीत के क्षेत्र में नई संभावनाओं को साकार करने के लिए कार्य करेंगी। यह एमओयू न केवल शिक्षा और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देगा, बल्कि रचनात्मकता और प्रतिभा को भी एक नया मंच प्रदान करेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर विक्रांत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर अमेरिका सिंह, हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी डॉ. हर्ष वर्धन अग्रवाल, न्यासी डॉ. रूपल अग्रवाल उपस्थित रहीं। इसके अलावा, ट्रस्ट की आंतरिक सलाहकार समिति के सम्मानीय सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। दोनों संस्थानों ने आशा व्यक्त की कि यह सहयोग भविष्य में समाज के व्यापक हित में नई ऊंचाइयों को छुएगा और युवाओं को उज्ज्वल भविष्य की दिशा में प्रेरित करेगा।

यूपी की गौशालाएं आत्मनिर्भर होंगी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए होगा गोबर, मूत्र का इस्तेमाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों के लिए गाय के गोबर और मूत्र का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश की गौशालाएं पर्यावरण के अनुकूल खेती को बढ़ावा देंगी, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाएंगी और किसानों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी होंगी। पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह ने एक न्यूज एजेंसी से कहा, ''हम गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर स्तर पर काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड, कृषि विभाग और अन्य हितधारकों से बात करके हम सभी पशुशालाओं में 'वर्मीकम्पोस्ट' बनाएंगे। इसे किसानों को बेचा जाएगा और गाय आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। मंत्री ने कहा, ''इसके लिए परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है और नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) जैसे संगठनों से भी मदद ली जाएगी।'' हाल में संपन्न महाकुंभ के दौरान, पशुपालन और दुग्ध विकास मंत्रालय ने गहन विचार-विमर्श किया और पर्यावरण के अनुकूल कृषि में गौशालाओं की भूमिका को मजबूत करने के लिए रणनीतिक योजनाएं तैयार कीं। विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ''योजनाओं के अनुसार गाय के गोबर और मूत्र का उपयोग पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों के लिए किया जाएगा। साथ ही, किसानों और गौशालाओं के कर्मचारियों को मवेशियों के पोषण में सुधार के लिए चारा उत्पादन और संरक्षण के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों के स्वास्थ्य और भूमि एवं पानी की गुणवत्ता को प्राथमिकता दे रही है, जिसके तहत प्राकृतिक खेती पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह एक ऐसी विधि है जिसमें खेती के लिए रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक का इस्तेमाल नहीं किया जाता। अधिकारी ने कहा कि इस कृषि पद्धति में मवेशी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें गाय के गोबर और मूत्र को जैविक उर्वरक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को दोहरा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनके परिवारों को शुद्ध दूध मिलेगा और जैविक उर्वरकों के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ेगी। अधिकारी ने कहा कि समय के साथ ये प्रयास गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद करेंगे। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश की 7,700 से अधिक गौशालाओं में इस वक्त साढ़े 12 लाख छुट्टा मवेशी रखे गए हैं। इसके साथ ही राज्य ने मुख्यमंत्री सहभागिता योजना भी लागू की है जिसके तहत एक लाख किसानों को 1.62 लाख छुट्टा मवेशी दिए गए हैं और उनकी देखभाल के लिए हर महीने 1,500 रुपये प्रति पशु की दर से दिये जा रहे हैं। अपने नवीनतम बजट में सरकार ने छुट्टा मवेशियों की सुरक्षा के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह पहले दिए गए 1,001 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है। इसके अलावा 543 नयी गौशालाओं को मंजूरी दी गई है। प्रत्येक बड़ी गौशाला के लिए 1.60 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि दी गई है। राज्य सरकार पशुपालकों को मवेशी पालने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है। मवेशी पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत देशी नस्लों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही बैंक ऋण पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है। अमृत धारा योजना 10 लाख रुपये तक की सब्सिडी वाले ऋण प्रदान करती है। तीन लाख रुपये से कम के ऋण के लिए किसी गारंटर की आवश्यकता नहीं होती है। अधिकारियों ने बताया कि देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को गाय आधारित जैविक उर्वरकों का उपयोग करके रसायन मुक्त कृषि अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

सीएमएस छात्रा 'सिल्वर स्टार ऑथर' अवार्ड से सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस की कक्षा 8 की छात्रा अदिति पाण्डेय को साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु 'सिल्वर स्टार ऑथर' अवार्ड से नवाजा गया है। अदिति को यह अवार्ड उसकी पुस्तक 'होलसम' एवं 'सीड्स वी सॉन' के लिए साहित्यिक प्रकाशन 'ब्रिबुक्स' द्वारा प्रदान किया गया है। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि साहित्य के क्षेत्र में अदिति की विशेष रूचि है। इस प्रतिभाशाली छात्रा ने मात्र 10 वर्ष की उम्र से ही लेखन प्रारम्भ कर दिया था और समय के साथ उसने अपने लेखन कौशल में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। अदिति द्वारा लिखित उपन्यास 'होलसम' को बच्चे व किशोर खूब पसंद कर रहे हैं, जो कि दोस्ती व गलतफहमी पर आधारित एक काल्पनिक कृति है जबकि उसकी दूसरी पुस्तक 'सीड्स वी सॉन' बच्चों व किशोरों को सद्चिंतन व सद्विचारों के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें समता व न्याय से परिपूर्ण सामाजिक विकास में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रेरित करती है। सी.एम.एस. की प्रतिभाशाली छात्रा ने सिद्ध कर दिया कि युवा लेखकों की कलम में इतनी ताकत है कि वे अपने सृजनात्मक लेखन के द्वारा समाज में रचनात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम हैं। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने अदिति की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. अपने छात्रों को उनकी शैक्षिक रूचि के अनुसार विभिन्न विषयों में उचित मार्गदर्शन व प्रोत्साहन प्रदान करता है, जिसकी बदौलत सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं, साथ ही साथ रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा की छाप छोड़कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं।

थाईलैंड महिलाओं के केस में शक्ति सिंह की राजनीतिक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के मल्हौर स्थित शक्ति हाइट्स अपार्टमेंट के मालिक शक्ति सिंह का नाम थाईलैंड की महिलाओं को किराये पर फ्लैटों को देने का मामला सामने आया तो इसके बाद शक्ति सिंह की राजनीतिक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। शक्ति सिंह को समाजवादी पार्टी का नेता और अयोध्या के वरिष्ठ नेता पवन पाण्डेय का करीबी बताया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई फोटो में शक्ति को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं समाजवादी नेता पवन पाण्डेय के साथ देखा जा रहा है। वहीं दूसरी वायरल फोटो में शक्ति सिंह को अखिलेश यादव से हाथ मिलाते हुए देखा जा रहा है। बता दें कि, चिनहट थाने में थाईलैंड की महिलाओं को किराये पर फ्लैटों को देने वाले शक्ति सिंह, महिला के मित्र अर्चित और अन्य लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गयी है। भाजपा समर्थित अशोक ने एक्स पर शक्ति सिंह की पोस्ट साझा कर आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी या मसाजवादी। समाजवादी पार्टी का नेता शक्ति सिंह, जो लखनऊ के चिनहट एरिया में शक्ति अपार्टमेंट में थाईलैंड की विदेशी लड़कियों को अवैध रूप से रखकर बहुत बड़ा मसाज नेटवर्क चलाता था। सपा के कई सांसद और पूर्व मंत्री सहित बड़े-बड़े नेताओं को मसाज सर्विस उपलब्ध करवाता था।

संगीत नाटक अकादमी में 17 से 19 मार्च तक होगा प्रादेशिक नाट्य समारोह समेत कई नाटकों का होगा मंचन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की ओर से तीन दिवसीय प्रदेशिक नाट्य समारोह का आयोजन 17 से 19 मार्च तक गोमती नगर स्थित अकादमी के संत गडगे प्रेक्षागृह में किया जा रहा है। शाम 6:30 बजे से आयोजित इस समारोह की ओःली शाम देवरिया सलेमपुर की नाट्य संस्था सांस्कृतिक संगम की ओर से नाटक रश्मिरथी का मंचन किया जाएगा। अकादमी के निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर ने बताया कि इस प्रादेशिक नाट्य समारोह में नाटक रश्मिरथी का निर्देशन मानवेन्द्र कुमार त्रिपाठी करेंगे। रश्मिरथी रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी रचना है। इसका रूपंतरण अनिल मेहरोत्रा ने किया है। समारोह की दूसरी शाम को दर्पण लखनऊ की प्रस्तुति आखिरी बसंत का मंचन शुभदीप राहा के लेखन और निर्देशन में किया जाएगा। समारोह की अंतिम शाम को शाहजहांपुर की नाट्य संस्था गगनिका की ओर से नाटक भुवनेश्वर-दर-भुवनेश्वर का मंचन किया जाएगा। मीराकंात द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन कप्तान सिंह कर्णधार करेंगे।

दुष्कर्म का आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। विभूतिखंड थाना इलाके में शनिवार को एक बच्ची से दुष्कर्म मामले में दूसरे शहर भाग रहे आरोपित को पुलिस ने देर रात रेलवे क्रासिंग के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची की हालत गंभीर है।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने देर रात जारी बयान में बताया कि शनिवार को नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म करने वाला मुख्य आरोपित दूसरे शहर भगाने की फिराक में खरगू के हैनीमैन क्रासिंग के पास खड़ा होकर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में लगी पुलिस टीम ने आरोपित को चारों तरफ से घेर लिया। इस पर उसने पुलिस टीम पर फायरिंग की,जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जिसकी पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी मोहम्मद सरजू के रूप में हुई हैं। उसे हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। उन्होंने बताया कि विभूतिखंड के सर्वेंट क्वाटर में इटावा का परिवार रहता है। उनकी सात साल की बच्ची कक्षा दो में पढ़ती है। आरोप है कि शनिवार शाम बच्ची किसी काम से निकली तो आरोपित सरजू उसे पकड़ कर अपने कमरे पर ले गया, जहां उसके साथ घिनौनी हरकत की। बच्ची की चीखने की आवाज सुनकर मां पहुंची तो आरोपित वहां से भाग खड़ा हुआ। परिजन बच्ची को गंभीर अवस्था में देखकर दो अस्पताल के बाद क्वीनमेरी लेकर पहुंचे। डाक्टरों ने हालत गंभीर बताते हुए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। बच्ची ने आरोपित की फोटो देखकर पहचान की थी, तभी पुलिस उसकी तलाश में थी। आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी ढंग से शिकायत निस्तारण में विद्युत महकमे के तीन अफसर सस्पेंड

लखनऊ। शिकायत के फर्जी निस्तारण का मामला जांच में सही मिलने पर एसडीओ व जेई समेत तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। पोल्ट्री फार्म का मीटर खराब होने की शिकायत पर नहीं बदला और मौके पर बाइपास के आरोप में फार्म की बिजली काट दी जिससे कई मुर्गियां मर गई थीं। विद्युत उपकेंद्र भिलवल के दून्दीपुर गांव के वहीदुल हसन सिद्दीकी के पोल्ट्री फार्म पर व्यावसायिक बिजली कनेक्शन है। 19 दिसंबर को मीटर खराब होने की शिकायत की थी। फार्म के केयरटेकर मकसूद ने बताया कि मीटर बदलने की जगह मौके की जांच करके बाइपास करने का आरोप लगाकर कनेक्शन काट दिया गया। 30 से अधिक मुर्गियां मर गईं। उच्चाधिकारियों से शिकायत पर जांच शुरू होते ही अगले दिन मीटर बदलकर बिजली जोड़ दी गई। जांच में बिना मीटर बदले अभिलेखों में ही शिकायत का फर्जी निस्तारण करने और मौके पर जबरन कनेक्शन काटने पर तीन के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

31 तक जमा कर दें हाउस टैक्स नहीं तो लगेगा 12 प्रतिशत ब्याज

लखनऊ। 31 मार्च को वित्तीय वर्ष 2024-25 समाप्त हो रहा है। इससे पहले भवन स्वामी बकाया हाउस टैक्स जमा कर दें, नहीं तो 12 प्रतिशत ब्याज के साथ गृहकर जमा करना पड़ेगा। भवन स्वामियों की सुविधा के लिए नगर निगम अवकाश के दिन रविवार को भी सभी जोनल कार्यालय गृहकर जमा करने के लिए खोलेगा। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यम से भी घर बैठे बकाया गृहकर का भुगतान किया जा सकता है। गृहकर सम्बंधित समस्याओं के समाधान के लिए सभी वार्डों में विशेष शिविर का रविवार को आयोजन किया जाएगा। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने भवन स्वामियों से इस सुविधा का लाभ उठाते हुए बकाया गृहकर जमा करने की अपील की है।

छह झोपड़ियों में लगी आग, बाल-बाल बचा परिवार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मानकनगर थाना अंतर्गत भोलाखेड़ा में रविवार को रेलवे ओवरब्रिज के नीचे छह झोपड़ियों में अचानक से आग लग गई। जिसमें झोपड़ी में सो रहा एक परिवार सुरक्षित बच निकला। चीख-पुकार मचने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रुम के साथ ही दमकल विभाग को अग्निकांड की जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने दो फायर टेंडर की मदद से करीब 45 मिनट में आग पर काबू पा लिया।

एफएसओ आलमबाग धर्मपाल सिंह के मुताबिक, भोलाखेड़ा, रेलवे ओवरब्रिज के नीचे उन्नाव जनपद के पूर्वा तकिया, बीघापुर गांव निवासी रेशमा, उन्नाव में असोहा में कंधरपुर निवासी बागेश्वर, सुल्तानपुर के जामो में बलभद्देपुर गांव में रहने वाले हरिकेश, बंथरा के त्रिलोचन खेड़ा निवासी विजय शंकर, बंथरा के त्रिलोचन खेड़ा निवासी कन्हैयालाल और धर्मपती झोपड़ी बना कर रहते हैं। सभी मजदूरी करते हैं। एसएसओ ने बताया कि होली पर रेशमा को छोड़कर सभी मजदूर अपने पैतृक घर गए हुए थे। रविवार करीब 05 बजे रमेशा परिवारिक सदस्यों के संग झोपड़ी में सो रही थी, तभी आग की तपिश व धुएं के गुबार से उसका दम घुटने लगा और उसकी आंख खुल गई। इसके बाद रेशमा ने देखा कि उसकी झोपड़ी धूं-धूंकर जल रही है। वह शोर मचाती और चीखती-चिल्लाती हुई झोपड़ी से बाहर भागी। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन नजीता शून्य रहा। चंद मिनट में आग की लपट और भी तेज हो गई। इसके बाद लोगों ने फौरन पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना देते हुए दमकल विभाग को जानकारी दी। एफएसओ ने बताया कि आलमबाग फायर स्टेशन दो फायर टेंडर घटनास्थल के लिए रवाना किए गए। करीब 45 मिनट में दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड मजूदरों की गृहस्थी जलकर राख हो गई है। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है।

आगरा के बाराखंबा में अंबेडकर भवन को अतिक्रमण बताने पर मायावती ने उठाए सवाल, सांसद चंद्रशेखर ने लिखा पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आगरा में बाराखंबा रेलवे फाटक अंबेडकर भवन को अतिक्रमण बताकर उसे हटाने की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। वहीं, इस मामले को लेकर नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने रेलवे मंत्री को पत्र लिखा है। बसपा मुखिया मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि यूपी के आगरा में बाराखंबा रेलवे फाटक के पास दशकों से समाज हित व जनकल्याण आदि गतिविधियों से जुड़े अंबेडकर भवन को अतिक्रमण बताकर उसे हटाने की कार्रवाई से लोगों में काफी रोष व आक्रोश व्याप्त है और लोगों का यह भी कहना है कि क्या यही है सरकार का अंबेडकर प्रेम? उन्होंने आगे लिखा कि ऐसे में केंद्र सरकार से अनुरोध है कि आगरा के साथ-साथ ऐसी और भी बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर-विरोधी कार्रवाईयों का तत्काल संज्ञान ले और जरूर उचित कार्रवाई भी करे। उम्मीद है कि सरकार जरूर सकारात्मक कदम उठाएगी। उधर, इस मामले में नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने भी केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि रेलवे प्रशासन, उत्तर मध्य रेलवे, आगरा के कार्यालय, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य), ईदगाह द्वारा पत्रांक 1/3, दिनांक 11.03.2025 के माध्यम से अंबेडकर भवन (निकट फाटक संख्या 75ए, बाराखंबा) को अतिक्रमण घोषित कर 15 दिनों के भीतर हटाने का नोटिस जारी किया गया है। यह भवन वर्षों से सामाजिक न्याय, शैक्षिक व सांस्कृतिक गतिविधियों, तथा बहुजन समाज के हितों के संरक्षण के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। ऐसे में इसे अतिक्रमण घोषित कर हटाने की कार्रवाई करना न केवल अनुचित है, बल्कि समाज के वंचित वर्गों के प्रति अन्याय भी है। उन्होंने आगे लिखा कि यह भवन उस स्थान पर स्थित है, जहां मौजूद गड्ढों को भरकर आधी शताब्दी पूर्व इसे जनहित के लिए खड़ा किया गया था। यह केवल एक संरचना नहीं, बल्कि बहुजन समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और उत्थान का केंद्र है। अतः इसे अतिक्रमण घोषित कर हटाने का कोई भी प्रयास न केवल ऐतिहासिक अन्याय होगा, बल्कि समाज के पिछड़े और दलित वर्गों के प्रति उपेक्षा को भी दर्शाएगा। यह भवन समाज के हित में सार्वजनिक उपयोग के लिए खड़ा किया गया है। उन्होंने लिखा कि हम रेलवे प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि इस मामले को सहानुभूतिपूर्वक देखा जाए और किसी भी निर्णय से पहले इस भवन के सामाजिक महत्व को ध्यान में रखें।

अजीत सिंह बब्बन फिर बनें जिलाध्यक्ष, जिला चुनाव अधिकारी ने किया नाम का ऐलान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पिछले कई दिनों से बहुप्रतीक्षित भाजपा जिलाध्यक्षों ने नामों का ऐलान हो गया है, जिलाध्यक्ष घोषणा कार्यक्रम के माध्यम से हरदोई के निवर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के नाम का ऐलान कर उन्हें फिर से भाजपा की कमान सौंपी गई है। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी पीके वर्मा और सांसद विधायक मौजूद रहे। 15 सितंबर 2023 को अजीत सिंह बब्बन को भाजपा जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई थी और उनके जिलाध्यक्षी कार्यकाल में दोनों लोकसभा सीट जीतने वाले जिलों में हरदोई दूसरा जिला बना था तो वहीं सक्रिय सदस्यता में हरदोई देश के टॉप 10 जिलों के शामिल रहा था जिसका लाभ अजीत सिंह बब्बन को मिला है। हालांकि जिलाध्यक्ष पद के लिए 17 लोगों ने नामांकन कर जिलाध्यक्ष बनने की मंशा जाहिर की थी। कयासों का बाजार पहले से गर्म था कि अजीत सिंह बब्बन को ही भाजपा का जिलाध्यक्ष बनाया जायेगा और आज सूची जारी होने के बाद सभी कयासों पर विराम लग गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष बनाए गए अजीत सिंह बब्बन हरदोई के ग्राम महुईपुरी के रहने वाले है और वह प्रशिक्षित स्वयंसेवक होने के साथ साथ खांटी भाजपा नेता है जिन्होंने बुरे दौर में भी भाजपा का साथ नहीं छोड़ा था। अजीत सिंह बब्बन को भाजपा में 25 साल के समर्पण का फ्ल 15 सितंबर 2023 को मिला था जिसे आज एक बार फ्रि बरकरार रखकर शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें भाजपा जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया है। 43 वर्षीय अजीत सिंह बब्बन परास्नातक तक शिक्षित हैं और वह जिलाध्यक्ष बनने से पहले जिला महामंत्री और दो बार भाजपा जिला उपाध्यक्ष रह चुके हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष बनाए गए अजीत सिंह बब्बन मानवाधिकार प्रकोष्ठ भाजपा के प्रदेश सह संयोजकए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विद्यालय प्रमुख एवं महाविद्यालय प्रमुख भी रह चुके हैं। वह स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षित स्वयंसेवक हैं। अजीत सिंह बब्बन को भाजपा जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी लहर दौड़ गई है और उन्हें बधाई देने वालों की भीड़ लग गई है।

आम जनता महंगाई से त्रस्त और परेशान है: रामज्ञान गुप्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गोपामऊ विधानसभा के गांव पिहनिया मे पीडीए पंचायत को संबोधित करते समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं हरदोई नगर पालिका के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर 27 जनवरी 2025 से प्रदेश के सभी जनपदों में बूथ स्तर तक पीडीए पंचायत का आयोजन शुरू हो गया है। यह कार्यक्रम 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ अनवरत जारी रहेगा।

रामज्ञान गुप्ता ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। भाजपा सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह से विफल है। महंगाई चरम पर है। बढ़ी महंगाई के

कारण लोगों का त्योहार फीका नज़र आ रहा है। भाजपा ने महंगाई कम करने का वादा किया था, लेकिन सरकार ने कोई काम नहीं किया। इस सरकार ने मुनाफाखोरी को बढ़ावा दिया है। डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस, आटा, चावल, तेल, सूजी, खोया सब चीजों की कीमतें आसमान पर है। एक तरफ महंगाई शिखर पर है दूसरी तरफ लोगों के पास काम धंधा नहीं है। होली के मौके पर पारंपरिक व्यंजनों में इस्तेमाल होने वाली चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। मनरेगा मजदूरों को महीनों से काम न मिलने से पैसा नहीं मिला है। बिना पैसे मजदूर अपनी होली कैसे मना पाएंगे।

रामज्ञान गुप्ता कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य में पहले से ही महंगाई है। आम जनता त्रस्त और परेशान है। लोगों के जेब में पैसे नहीं है। ऊपर से सरकार मुनाफाखोरी द्वारा उनकी जेब काटती जा रही है। महंगाई दोगुनी हो गई है जबकि आमदनी आधी रह गयी है। भाजपा सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह से फेल है। सरकार के पास महंगाई, बेरोजगारी को लेकर कोई नीति नहीं है। सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है। रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि भाजपा महंगाई बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए नए-नए मुद्दों को उछाल कर जनता को उलझाना चाहती है। लेकिन प्रदेश की जनता भाजपा के षड्यंत्रकारी मंसूबों से वाकिफ है। जनता 2027 में इन्हें सत्ता से हटाकर इनकी नफ्रत की राजनीति का खात्मा कर देगी।

इस मौके पर अंकित यादव, धर्मेंद्र यादव दीपू मनोज वर्मा, डोरीलाल वर्मा, प्रताप वर्मा, नेकराम वर्मा, हेमंचल वर्मा, राजेश यादव, सोनू गुप्ता, श्यामकुमार यादव, हंसराम यादव, कढ़ीले यादव, नरेन्द्र यादव, हरिशंकर यादव, विवेक यादव, रामवीर सक्सेना, दीपू सक्सेना, विवेक सक्सेना, रज्जन सक्सेना, आशीष सिंह, अवधेश सिंह, सोनू सिंह, अर्जुन सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

युवक को अपने घर की छत से नीचे फेंक दिया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। होली में नशेबाजी के विवाद में पड़ोसी ने युवक को अपने घर की छत से नीचे फेंक दिया। बीच बचाव के लिए गए चचेरे भाई को ईट पत्थरों से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया है। गंभीर रूप से घायल चचेरे भाई को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक के पिता के तहरीर पर आठ लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने रविवार को तीन महिलाओं समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरपालपुर कस्बे के पलिया तिराहा निवासी आसाराम यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया शनिवार की शाम परिवार ०8:00 बजे उनका भतीजा सरोज होली मिलने के लिए प्रमोद के दरवाजे से गुजर रहा था तभी प्रमोद, बनवारी लाल उर्फ करू, अशोक, मंजेश, रोहित तथा बनवारी प्रमोद अशोक की पत्नियों ने सरोज को जबरदस्ती पकड़ कर अपने घर की छत पर ले जाकर उसे नीचे फेंक दिया। घटना का शोर सरावा सुनकर मौके पर पहुंचे उसके बेटे उमाशंकर को आरोपितों ने ईट पत्थरों से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया है। घायल सरोज को स्थानीय सीएचसी ले जाया गया जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल के लिए रेफ्र कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने बताया शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर सात आरोपितो गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

रोज़ा इफ़्तार कराना अल्लाह के नज़दीक जाने का ज़रिया: मुफ़्ती आफ़ताब आलम

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। रमज़ान का पाक महीना इबादत, रहमत और बरकतों से भरा होता है। इस्लाम में रोजा इफ्तार कराना एक बड़ा सवाब का

काम माना गया है। हदीसों में आया है कि जो व्यक्ति रोजेदार को इफ्तार कराए, उसे भी उतना ही सवाब मिलता है जितना रोजेदार को रोजा रखने से मिलता है। हर साल रमजान में रोजा इफ्तार करने वाली अंजुमन इस्लामिया ने इस साल भी जामा मस्जिद में रोजा इफ्तार का इंतजाम किया इस इफ्तार मैं सैकड़ो लोगों ने शिरकत की इस मौके पर सैकड़ों रोजेदारों ने इफ्तार किया। दुआ जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती आफ्ताब आलम साहब मज़हरी ने की और बताया कि रोजेदार की दुआ अल्लाह के दरबार में जल्दी कबूल होती है और जब कोई व्यक्ति रोजेदार को इफ्तार कराता है, तो उसके लिए भी रहमतों के दरवाजे खुल जाते हैं। यह अमल इंसान को अल्लाह के और करीब ले जाता है। रमजान में जगह-जगह मस्जिदों, और घरो में निजी रूप से रोजा इफ्तार कराने की परंपरा निभाई जाती है। खजूर, फल, पानी और शरबत के साथ रोजेदारों के लिए इफ्तार की व्यवस्था की जाती है। अल्लाह के नजदीक जाने का यह एक बेहतरीन जरिया है, जिसमें इंसान अपनी नेकी बढ़ा सकता है और अल्लाह की रहमत पा सकता है। सदर अंजुमन इस्लामिया मोहम्मद खालिद एडवोकेट, हाफिज अहमद खान जनरल सेक्रेटरी, फारुख राशिद वाइस प्रेसिडेंट, तनवीर अहमद खान, सरताज अहमद खान, अहमद अली, असद हुसैन इराकी, रसूल अहमद, करम-इलाही, मुफ्ती आफताब आलम साहब मज़हरी इमाम व ख़तीब जामा मस्जिद हरदोई।

दुष्कर्म का आरोपी बाइक सहित गिरफ्तार किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मंझिला थाना पुलिस ने किशोरी से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को बाइक सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी

की बाइक को सीज करके आरोपी को पास्को एक्ट के अंतर्गत जेल भेजा गया। शनिवार को मंझिला थाना के एक गांव के रहने वाले ग्रामीण ने अपनी पुत्री से गलत कार्य करने वाले आरोपी राम जी पुत्र भैया लाल निवासी ग्राम जमुरा पर आरोप लगाते हुए मामला पंजीकृत कराया था। मंझिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक उमाकांत दीपक ने हमराही सिपाहियों के साथ आरोपी राम जी को अपाचे बाइक सहित गिरफ्तार किया। आरोपी की बाइक को सीज किया गया। रविवार को शाम 5:00 बजे प्रभारी निरीक्षक ने बताया आरोपी राम जी को पास्को एक्ट के अंतर्गत जेल भेज दिया गया है। किशोरी का डाक्टरी परीक्षण कराया गया।

यातायात निरीक्षक ने वाहनों के चालान किये

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली के समक्ष यातायात निरीक्षक सुनील कुमार दुबे ने रविवार की शाम को 6:30 बजे चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों के चालान किये। दो बाइकों को सीज भी किया गया। यातायात निरीक्षक सुनील कुमार दुबे हमराही सिपाहियों के साथ कोतवाली के सामने वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दो पिकअप डाला में नीचे और ऊपर बैठी सवारियों को देखकर पिकअप डाला को रुकवाया और

सभी सवारियों को नीचे उतार कर पिकअप डाला चालक को कड़ी फ्टकार लगाई और पिकअप डाला का चालान कर दिया। उसके ठीक बाद ऐसे ही भरा हुआ दूसरा पिकअप डाला आया उसमें भी बड़ी संख्या में सवारियां ऊपर और नीचे बैठी थी। दोनों पिकअप डाला का चालान किया गयाए और भविष्य में इस तरह से सवारियां न बैठाने की चेतावनी दी गई। इसके अतिरिक्त करीब दो दर्जन दोपहिया वाहनों का चालान किया गया और दो पहिया वाहन चीज किए गए। यातायात निरीक्षक की इस कार्रवाई से वाहन स्वामियों में अपराध अफ्रातफ्री का आलम रहा।

अलग अलग गावों में हुई मारपीट की घटनाओं में आधा दर्जन घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के अलग अलग गावों में हुई मारपीट की घटनाओं में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कोतवाली पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम आगमपुर निवासी कृष्ण मुरारी पुत्र सोनपाल के अनुसार 14 मार्च को दोपहर 2 बजे वह अपने घर के दरवाजे पर था। तभी गांव निवासी रामसेवक, लवकुश पुत्रगण रामभरोसे, जितेंद्र और सुभाष के साथ उसके दरवाजे पर आकर गाली गलौज किया। गाली देने से मना करने पर विपक्षियों ने लाठी डंडों से उसे मारा पीटा। शोर सुनकर उसके चाचा हरिशंकर और चाची विद्यावती बचाने आए तो आरोपियों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दौलतियापुर निवासी गजरानी पुत्री नन्हे के अनुसार 14 मार्च को दोपहर 3 बजे के करीब गांव निवासी वासू पुत्र हेमराज अपने भाई मैकूएराम रतन और शिवपाल के साथ उसके दरवाजे के सामने भतीजे सेवाराम को गाली गलौज कर रहे थेए उसने गाली देने से मना किया तो विपक्षियों ने हाथ पर डंडों से हमला कर उसे और भतीजे को मारपीट कर घायल कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकंदरपुर नरकतरा निवासी रमाकांत पुत्र परसादी के अनुसार 15 मार्च को सुबह करीब 5 बजे गांव के जोगेंद्र, सुरेंद्र, रावेंद्र पुत्रगण देशराज अपने साथी विनोद के साथ उसके दरवाजे पर गाली गलौज कर रहे थे। उसकी पत्नी जमुना और बहू अमिता ने दरवाजे पर गाली देने से मना किया तो विपक्षियों ने लाठी डंडों से मारपीट कर उसकी पत्नी और बहू दोनों को घायल कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रेभामुरादपुर निवासी रामदेवी पत्नी ज्ञान प्रकाश के अनुसार 14 मार्च को दोपहर में उसका पति अपने पुत्र रिंकू के साथ खेत से वापस घर आ रहा था। रास्ते में गांव निवासी धोनी पुत्र लालाराम ने अपने भाई आशीष के साथ शराब के नशे में गाली गलौज किया। गाली देने से मना करने पर विपक्षियों ने डंडों से उसके पति और पुत्र की पिटाई कर घायल कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नगला गणेश निवासी कामेश प्रिय वर्मा पुत्र भगवान दास के अनुसार 14 मार्च को शाम को चार बजे वह अपने घर के सामने बैठा था। गांव के जवाहर पुत्र रामलाल अपने पुत्र अवनीशए राम लड़ैते और नीरा के साथ शराब के नशे में उसे गाली गलौज किया। गाली देने से मना करने पर आरोपियों ने लात घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया। अलग अलग गावों में हुई मारपीट की घटनाओं में कोतवाली पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण करवाया है। पुलिस ने मारपीट की घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।

मारपीट की घटनाओं में मझिला पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के ग्राम सकरा में पुराने जमीनी विवाद में हुए खूनी संघर्ष में थाना पुलिस ने दूसरे पक्ष के अवनीश पुत्र रामलखन की तहरीर के आधार पर प्रथम पक्ष के अवधेश गुप्ताए रमी गुप्ताए मदन लाल व सोनू गुप्ता के विरुद्ध भी मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज की है। आपको बता दें सोनू गुप्ता की तहरीर पर पुलिस पूर्व में अवनीश सहित कई लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर चुकी है। थाना क्षेत्र के ग्राम बठया मजरा धनवार निवासी शांति देवी पत्नी सुंदर लाल के अनुसार 14 मार्च को सुबह 11 बजे उसका पति अपने पुत्रों बबलू अवनीश और विजेश के साथ होलिका में गोबर के बल्ला डालने जा रहे थे। रास्ते में गांव के आशाराम पुत्र जसवंत ने अपने पुत्र विपिनएविवेक और भाई राजेंद्र ने पुरानी रंजिश में लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। थाना क्षेत्र के ग्राम फ्तेपुर गाजी निवासी धर्मवीर पुत्र ओमपाल के अनुसार शनिवार को वह अपने दरवाजे पर था। तभी गांव के पड़ोसी सोनू अपने साथी अंकित के साथ उसके दरवाजे पर आकर गाली गलौज करने लगा। मना करने पर डंडों से उसे मारा पीटा। शोर सुनकर उसकी पत्नी रेखा और बीसलपुर निवासी उसके रिश्तेदार शीतलए ज्योति और नीरज उसे बचाने घर से बाहर आ गए। विपक्षियों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया।थाना क्षेत्र के ग्राम दुबहा निवासी अनीता पत्नी मान सिंह के अनुसार शनिवार को करीब 5 बजे शाम को उसका पुत्र गुड्डू पड़ोस के ग्राम कोड़ा घरेलू कुछ सामान लेने जा रहा था। गांव के महिपाल के पुत्र रामरहीस और बाल केशन ने अपने साथी सर्वेश और नन्हे के साथ उसके पुत्र को रोककर गाली गलौज किया मना करने पर लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर उसका दूसरा पुत्र सतिंदर अपने भाई को बचाने गया तो विपक्षियों ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। थाना क्षेत्र के रामपुर कोड़ा निवासी रमा देवी पत्नी रामप्रताप के अनुसार वह 13 मार्च को अपने दरवाजे पर नाली की सफाई कर रही थी। तभी संजय पुत्र सरजू ने भाई राधा केशन और भतीजी राखी के साथ उसे गाली गलौज कर डंडों से मारा पीटा। शोर सुनकर उसका पति और पुत्री हिमांशी बचाने आई तो आरोपियों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। थाना क्षेत्र के ग्राम पलिया देव के मजरा उलना पुर निवासी छक्कू पुत्र चेतराम के अनुसार 14 मार्च की शाम को गांव के शेरू पुत्र एला अपने भाई विष्णु दयाल के साथ उसके दरवाजे पर आए और उसे गाली गलौज करने लगे। घर पर मौजूद महोली निवासी उसकी सास कांति ने गाली देने से मना किया तो विपक्षियों ने उसे डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर दौड़े लोगों ने उसे बचाया तो विपक्षी जान से मार डालने की धमकी देकर चले गए। थाना मझिला क्षेत्र में हुईं मारपीट की अलग अलग गांवों में हुई मारपीट की घटनाओं में थाना पुलिस ने पीड़ितों की लिखित सूचना के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर घटनाओं की जांच.पड़ताल शुरू कर दी है।

शौच गई किशोरी लापता, बहला-फुसलाकर भगाने का केस दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से शौच के लिए घर के बाहर गई किशोरी लापता हो गई। पिता की तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार उसकी 16 वर्षीय पुत्री शुक्रवार शनिवार की मध्य रात्रि करीब दो बजे शौच के लिए घर से बाहर निकली थीए लेकिन तब से घर वापस नहीं आई है। किशोरी की काफी तलाश की गई परंतु उसका पता नहीं चला। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तडेर निवासी शोभित पुत्र रामदास उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है। किशोरी के पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

एससी-एसटी एक्ट में नाम दर्ज तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल, अज्ञात के अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का प्रयास जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र कछौना के अंतर्गत रामसिह पासी पुत्र स्व0 गंगू पासी निवासी गढी मजरा कमालपुर कोतवाली कछौना ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि शुक्रवार की दोपहर में होली के गाने गाये जा रहे थे। उसमे कुछ पैसा इनाम का आया था। जिसके बटवारे को लेकिन ग्राम गढ़ी मजरा कमालपुर निवासी धर्मवीर पुत्र मुलायम सिंह आये और जाति सूचक गालियां देने लगे, इसका विरोध करते हुए उन्हें जाने को कहा, तुम चले जाओ हम लोग अपना पैसा आपस में बांट लेंगे इतने में धर्मवीर ने कहा रूको अभी मैं आता हूंए कुछ देर बाद वह शिवा सिंह पुत्र अनिल सिंह व सूरज पुत्र अनिल सिंह निवासी गण सुब्बा बाग थाना सण्डीला हरदोई और धर्मवीर सिंह पता उपरोक्त दो चार पहिया गाडी जिसमे एक बोलेरो व एक बेगनार नम्बर अजात में बैठे चार पांच अजात व्यक्ति आये और एक राय होकर पासी दलित मोहल्ले में घुसकर जो जहां मिला उसको जाति सूचक गालियां देते हुए लाठी डन्डो से मारा पीटा तथा उनमें से शिवा सिंह ने जान से मारने की नियत से हम लोगों पर फायर कर दिया। इस घटना में पीड़ित घायल हो गए हैं। पीड़ित ने किसी तरह से जान बचाकर कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। कछौना पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए तीन नामदर्ज अभियुक्त धर्मवीर सिंह पुत्र मुलायम सिंह निवासी ग्राम गढी कमालपुर कोतवाली कछौनाए सोनू उर्फ सूरज बाजपेई पुत्र राजेश कुमार बाजपेईए अभिषेक तिवारी पुत्र देशराज तिवारी निवासीगण ग्राम सुम्बा बाग थाना संण्डीला जनपद हरदोई व अन्य 04-05 अभियुक्तों के विरुद्ध पीड़ित के साथ गाली.गलौज एवं मारपीट कर घायल करने के संबंध में कोतवाली में धारा 3 (5) / 115(2)/352/351(3)/109(1) बीएनएस व 3 (2)(v)/3 (1) (द)/3(2)(va) एससी/एसटी एक्ट का मामला पंजीकृत किया गया। नाम दर्ज उपरोक्त तीनों अभियुक्तों को कछौना पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं अज्ञात में दर्ज अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का प्रयास कछौना पुलिस द्वारा किया जा रहा है।

तेज रफ्तार बाइक और वेगनार कार की टक्कर, एक की मौत, दूसरा घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पाली थाना क्षेत्र की आगमपुर पुलिया पर बुधवार गुरुवार की मध्यरात्रि एक बाइक में तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियों सहित वाइक सवार पुलिया के नीचे गिर गये। जिससे एक बाइक सवार की घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल को मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफ्र किया गया। रामधारी (28) पुत्र राम भरोसे ग्राम सिमरिया थाना मंझिला अपने रिश्तेदार गोपाल (30) पुत्र नरेश निवासी ग्राम कुंवर पुर थाना बेहटा गोकुल के साथ बुधवार गुरुवार की मध्य रात्रि 12:30 बजे बाइक से शाहाबाद की ओर आ रहे थे। तेज रफ्तार बाइक होने की वजह से बाइक सवार बैरीकेडिंग न देख पाने के कारण दोनों बाइक सवार बाइक को कंट्रोल करने में गिर पड़े। पीछे से आ रही तेज रफ्तार वेगनर कार ने दोनों बाइक सवारों के टक्कर मारी और बाइक सहित वैगन आर कार और बाइक सवार पुलिया के नीचे गिर गए जिससे एक बाइक सवार रामधारी की मौत हो गई। दूसरा घायल हो गया। 108 एंबुलेंस के माध्यम से दोनों को सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने रामधारी को मृत घोषित कर दिया। दूसरे को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफ्र किया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

छेड़खानी के आरोपी को जूते की माला पहनाकर घुमाया: पुलिस ने 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में एक युवक को कथित छेड़छाड़ का गंभीर परिणाम भुगतना पड़ा। टड़ियावां थाना क्षेत्र के मामपुर गांव में कुछ लोगों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की। आरोपियों ने उसे जूता-चप्पल की माला पहनाकर गांव में घुमाया और इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पीड़ित धीरज सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसका कहना है कि वह हरिहरपुर से लौट रहा था। इस दौरान मामपुर गांव में कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। उसे एक घर में बंद कर दिया गया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और गाली-गलौज की। इतना ही नहीं, उसकी बाइक भी छीन ली गई। सूत्रों के मुताबिक धीरज सिंह पर अनुसूचित जाति की एक युवती से छेड़छाड़ का आरोप है। इसी बात से नाराज होकर ग्रामीणों ने यह कदम उठाया। टड़ियावां पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई की है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में वीरेन्द्र (रामलाल का पुत्र), सर्वेश (सीताराम का पुत्र) और दयाराम (नोखेलाल का पुत्र) शामिल हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। मामले की जांच जारी है।

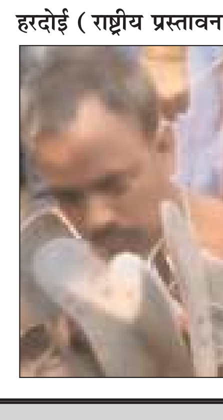

मन की गांठें खोल

आज के भागम-भागम दौर में जब हमारी सोच, रहन-सहन और खान-पान पूरी तरह से कृत्रिम हो चला है तो शहरी जीवन में लोग तमाम मनोकायिक रोगों से ग्रस्त हो गए हैं। योग और प्राकृतिक चिकित्सा का भी यह निष्कर्ष है कि मन स्वस्थ होने पर हम निरोगी होते हैं। जब हम अपनी भावनाओं व विचारों को कृत्रिमता के साथ अभिव्यक्त करते हैं तो नकलीपन से उपजा तनाव हमें बीमार बनाता है। आधुनिक चिकित्सा के शोध-अनुसंधान भी स्वीकारते हैं कि सकारात्मकता हमारे उपचार में मददगार होती है। वह दवा का काम करती है। दरअसल, अच्छे विचारों व धनात्मकता से हमारे शरीर के स्वास्थ्यवर्धक हॉर्मोन्स निकलते हैं। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययन भी बताते हैं कि आस्थावान और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोग स्वस्थ रहते हैं। अब चाहे धर्म हो या अध्यात्म, उसके मूल में परोपकार की भावना होती है। यह परोपकार की भावना ही हमारे लिये उपकार का काम करती है। सोशल मीडिया पर एक जुमला अक्सर घूमता रहता हैदृ 'दोस्तो दिल खोलकर जीओ, अन्यथा डॉक्टर आपका दिल खोलेगा।' यह सर्वविदित है कि हमारे जीवन की कृत्रिमता, तनाव, अवसाद आदि हृदय रोग बढ़ाते हैं। बहरहाल, होली का त्योहार आया है। हमारे पूर्वजों ने इस त्योहार की संकल्पना इसी मकसद से की होगी कि समाज में दैनिक जीवन की एकरसता टूटे। लोग दिल खोल के मिलें। जब हम रंगों से सराबोर होते हैं तो न कोई गोरा रह जाता है न काला। तब हम नहीं पहचान सकते हैं कि वह किस धर्म, संप्रदाय या वर्ग का है। अपने मित्रों व रिश्तेदारों से हम महीनों नहीं मिलते। होली हमें मिलने-जुलने का मौका देती है। आफिस के तनाव व रूटीन जिंदगी से छुट्टी मिलती है। रंगों का भी अपना नशा होता है। होली खेलने के बाद हमें अच्छी नींद आती है। रंग भी हमें सहजता-सरलता का नशा देते हैं। हम खुलकर मिलते-जुलते हैं, जिससे हल्का महसूस करते हैं। सही मायनों में कोई भी त्योहार हो, वह दैनिक जीवन की उदासीनता को दूर करने के लिये ही होता है। एक नई ताजगी व ऊर्जा का संचार करना ही पर्व का मकसद होता है। खासकर जब बात होली की होती है तो उल्लास के अतिरेक का अहसास खुद ब खुद हो जाता है। एक ऐसा त्योहार जो हर किसी को अपने गढ़े कृत्रिम दायरे से बाहर निकलने को प्रेरित करता है। जिसमें व्यक्ति खुद को मौलिक रूप में महसूस कर सके। उसे बोध हो सके कि मनुष्य और मनुष्यता के क्या मायने हैं। आज शहरीकरण के दौर में भागम-भाग की जिंदगी में हमने इतनी कृत्रिमताएं ओढ़ ली हैं कि हम सहज रह ही नहीं पाते। संपत्ति, पद और रसूख जैसे न जाने कितने दंभ पाले व्यक्ति समाज में घुलमिल ही नहीं पाता। याद कीजिए कोरोना काल के काले दौर को, जिसमें हमने महसूस किया कि सामाजिकता के क्या मायने हैं। खून के रिश्तों में कई अमानवीय कहानियां सामने आईं। दरअसल, हम अपनी सामाजिक सक्रियता और उसके सेहत पर पड़ने वाले प्रभावों पर कभी विचार नहीं करते। सही मायनों में होली के त्योहार का वातावरण हमें तनाव व कई तरह की जटिलताओं से मुक्त कर देता है। एक दिन व्यक्ति अपने मूल रंग को भूलकर सतरंगी रंगों में सराबोर हो जाता है। सभी विशिष्ट पहचानों से मुक्त होकर हर छोटे-बड़े से मिलना, रंग लगाना और गले मिलना व्यक्ति को सहज व हल्का कर देता है। तमाम वैज्ञानिक अनुसंधान व चिकित्सक बार-बार चेता रहे हैं कि मन का गुबार निकालने से व्यक्ति स्वस्थ महसूस करता है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में कई ऐसे शोधकर्ताओं को मानव सेहत के लिये जरूरी व्यवहार की व्याख्या करने हेतु उन विषयों पर नोबेल पुरस्कार मिले हैं जो हमारे देश में त्योहारों के मर्म और योग में वर्णित हैं। होली का त्योहार ऐसी मौसम संधि पर आता है जब सर्दी की विदाई और गर्मी की दस्तक होती है। प्रकृति अपने उरोज पर होती है। कुदरती रंगों से सजे फूल हमें मंत्रमुग्ध कर रहे होते हैं। यह पर्व हमें प्रकृति से संवाद का अवसर भी देता है। दरअसल, रंग परिवर्तन हमारे व्यवहार को परिवर्तित करता है।

योग और प्राकृतिक चिकित्सा का भी यह निष्कर्ष है कि मन स्वस्थ होने पर हम निरोगी होते हैं। जब हम अपनी भावनाओं व विचारों को कृत्रिमता के साथ अभिव्यक्त करते हैं तो नकलीपन से उपजा तनाव हमें बीमार बनाता है। आधुनिक चिकित्सा के शोध-अनुसंधान भी स्वीकारते हैं कि सकारात्मकता हमारे उपचार में मददगार होती है। वह दवा का काम करती है। दरअसल, अच्छे विचारों व धनात्मकता से हमारे शरीर के स्वास्थ्यवर्धक हॉर्मोन्स निकलते हैं। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययन भी बताते हैं कि आस्थावान और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोग स्वस्थ रहते हैं। अब चाहे धर्म हो या अध्यात्म, उसके मूल में परोपकार की भावना होती है।

भाषा को राजनीति का हथियार मत बनाइए

हृदयनारायण दीक्षित

भाषा पर राजनीति से राष्ट्रीय क्षति होती है। इसलिए भाषा को बांटने वाली राजनीति का हथियार बनाया जाना उचित नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य है कि तमिलनाडु में राष्ट्रभाषा हिन्दी के ही विरुद्ध टिप्पणियां की जा रही हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने धमकी भरे लहजे में कहा है, हिन्दी हम पर न थोपी जाए, वरना इसका अंजाम बुरा होगा। स्टालिन ने इसी बात को बार-बार दोहराया है। वे मर्यादा तोड़ रहे है। रुपया भारतीय मुद्रा है। मुद्रा का भारतीय प्रतिरूप प्रतीक 'रु' तमिलनाडु में भी जारी था। लेकिन राज्य सरकार ने उसे भी हटा दिया है। उत्तर दक्षिण की बातें भी चल निकली हैं। केन्द्र की तरफ से बार-बार स्पष्टीकरण दिया जा रहा है।

राजनीति को सांस्कृतिक मर्यादा में रहना चाहिए। मर्यादित राजनीति समाज को उत्कृष्ट बनाने में भी उपयोगी रहती है। संस्कृति विहीन अमर्यादित राजनीति तनाव पैदा करती है। भाषा सामाजिक एकता और सुख-दुख बांटने का उपकरण है। राष्ट्रजीवन के सभी व्यापारों के संचालन में भाषा की ही भूमिका है। भाषा पर राजनीति से राष्ट्रीय क्षति होती है। इसलिए भाषा को बांटने वाली राजनीति का हथियार बनाया जाना उचित नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य है कि तमिलनाडु में राष्ट्रभाषा हिन्दी के ही विरुद्ध टिप्पणियां की जा रही हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने धमकी भरे लहजे में कहा है, हिन्दी हम पर न थोपी जाए, वरना इसका अंजाम बुरा होगा। स्टालिन ने इसी बात को बार-बार दोहराया है। वे मर्यादा तोड़ रहे है। रुपया भारतीय मुद्रा है। मुद्रा का भारतीय प्रतिरूप प्रतीक 'रु' तमिलनाडु में भी जारी था। लेकिन राज्य सरकार ने उसे भी हटा दिया है। उत्तर दक्षिण की बातें भी चल निकली हैं। केन्द्र की तरफ से बार-बार स्पष्टीकरण दिया जा रहा है। लेकिन सतही राजनीति से वातावरण गरमा गया है। द्रविड़ और आर्य नस्ल की बातें भी चल निकली हैं। राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से यह शुभ संकेत नहीं है। आर्य द्रविड़ नस्ल का सिद्धांत अनेक विद्वानों ने खारिज किया है। द्रविड़ और आर्य शब्द सामूहिक पहचान के संदर्भ में प्रयुक्त होते रहे हैं। कुछ यूरोपीय विद्वानों का विचार रहा है कि यह अलग-अलग रेस (नस्ल) हैं। एक विद्वान वीएस गुहा ने 'रेस एफिनिटीज ऑफ द पीपल ऑफ इण्डिया' नाम की पुस्तक लिखी थी। पुस्तक का विवेचन करते हुए सर आर्थर कीव ने लिखा था, सीमा प्रांत के पठानों और त्रावणकोर की वन्य जातियों को मिलाने वाला सेतु मौजूद है। विद्वान यह भी कहते रहे हैं कि भारत में दिखाई पड़ने वाली प्रजातिगत विविधताएं इस कारण हैं कि भारतीय जनता के सभी लोग भारत के बाहर से आए हैं। लेकिन किसी ने यह कोशिश नहीं की कि अनेक जातियों का विकास भारत में ही हुआ है। आर्य भारत के ही मूल निवासी हैं। उन्हें विदेशी बताने का कार्य यूरोपीय साजिश थी। डॉ. आम्बेडकर ने आर्यों को भारत का मूल निवासी बताया है। उन्होंने लिखा है, ''आर्य भारत के ही मूल निवासी थे।'' डॉ. आम्बेडकर के अनुसार, ''आर्यों का मूल ग्रंथ ऋग्वेद है। ऋग्वेद में नदियों और प्रतीकों के उल्लेख में भारत के ही स्थल हैं। आर्य किसी और देश के होते तो नदियों और स्थान के नाम भारतीय न होते। यूरोपीय विद्वानों के अनुसार आर्य मध्य एशिया अथवा रूस के दक्षिण भाग में रहते थे। वह वहीं से भारत आए थे। यदि इस निष्कर्ष को सही मान लिया जाए तो प्रश्न उठता है कि आर्यों ने वेदों की तरह और कोई प्रामाणिक साहित्य अपने मूल देश के लिए क्यों नहीं लिखा? कुछ विद्वानों ने द्रविड़ों को भी बाहर से आने वाला बताया है। आर्यों की तरह द्रविड़ भी भारत के मूल निवासी हैं। सवाल यह भी उठाया जाता रहा है कि ऋग्वेद के रचनाकार आर्य भारत की नदियों को माता क्यों कहते हैं? किसी भी दूसरे देश से आया जनसमूह इस देश की नदियों को माता क्यों कहेगा? दर्शन, सभ्यता और संस्कृति पर वैदिक काल से लेकर पुराण काल तक विपुल साहित्य का सृजन हुआ है। इस पूरे साहित्य में कहीं आर्य आक्रमण के संकेत भी नहीं हैं। आर्यों के विदेशी होने का झूठ साम्राज्यवादी साजिश है। आर्यों और द्रविड़ों के बीच कोई तनाव नहीं रहा। लेकिन स्वार्थी राजनीति द्रविड़ आर्य संघर्ष बताती रही है। 1939 में एक विद्वान जूलियन हक्सले ने कहा था, '' प्रजातिवाद का सिद्धांत झूठा है और खतरनाक भी है।'' रामधारी सिंह दिनकर के अनुसार, आर्य शब्द का प्रयोग अंग्रेजी भाषा में सबसे पहले 1853 में मैक्समूलर ने किया था और 1939 में हिटलर ने प्रमाणित कर दिया कि आर्यों को प्रजाति मानने का सिद्धांत खतरनाक है। भारत को भी यह नहीं मानना चाहिए कि आर्य और द्रविड़ नाम की दो प्रजातियां हैं। मैक्समूलर ने बाद में अपनी गलती स्वीकार की और कहा, ''जब मैं 'एरियन' शब्द कहता हूं तब मेरा अभिप्राय न रक्त से होता है, न अस्थि, बाल और खप्पर से। मेरा तात्पर्य केवल उन लोगों से है जो आर्य भाषा बोलते हैं।'' द्रविड़ शब्द प्रजातिवाचक नहीं है। सम्भवतः यह स्थान वाचक शब्द है। दिनकर ने याद दिलाया है कि प्रजाति की यूरोपीय परिभाषा की दृष्टि से देखा जाए तो गुजरात और महाराष्ट्र में प्रधानता आर्य वंश की होनी चाहिए। लेकिन प्राचीन भारतीय यह नहीं मानते थे। द्रविड़ स्थान का विशेषण था। पंच द्रविड़ः में पुराण काल में द्रविड़, आंध्र, कर्नाटक, महाराष्ट्र व गुजरात इन पांच समूहों को गिनते थे। आर्यों और द्रविड़ों के बीच परस्पर प्रेम था। आर्यों की तरह द्रविड़ के ऋषि भी यज्ञ के पुरोहित होते थे। उन्होंने शास्त्रों की भी रचनाएं की थीं। तमिल के संगम साहित्य की रचना में भी बहुत ब्राह्मण विद्वानों ने सहयोग किया था। द्रविड़ संस्कृत का शब्द है। मनु ने द्रविड़ शब्द का प्रयोग द्रविड़ क्षेत्र के निवासियों के लिए किया है। कुमारिल भट्ट ने इसका प्रयोग भाषा की सूचना देने के लिए किया है। द्रविड़ों को अलग नस्ल या प्रजाति बनाने का काम यूरोपीय विद्वानों ने किया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिनकर की लिखी 'संस्कृति के चार अध्याय' पुस्तक की प्रस्तावना लिखी थी। लिखते हैं, ''सम्भावना यह है कि भारत में संस्कृति के सबसे प्रबल उपकरण आर्यों और आर्यों से पहले के भारतवासियों, खासकर, द्रविड़ों के मिलने से उत्पन्न हुए। इस मिलन, मिश्रण या समन्वय से एक बहुत बड़ी संस्कृति उत्पन्न हुई, जिसका प्रतिनिधित्व हमारी प्राचीन भाषा संस्कृत करती है। संस्कृत और प्राचीन पहलवी, ये दोनों भाषाएं एक ही मां से मध्य एशिया में जन्मी थीं, किन्तु भारत में आकर संस्कृत ही यहां की राष्ट्रभाषा हो गई। यहां संस्कृत के विकास में उत्तर और दक्षिण, दोनों ने योगदान दिया। सच तो यह है कि आगे चलकर संस्कृत के उत्थान में दक्षिणवालों का अंशदान अत्यन्त प्रमुख रहा। संस्कृत हमारी जनता के विचार और धर्म का ही प्रतीक नहीं बनी, वरन भारत की सांस्कृतिक एकता भी उसी भाषा में साकार हुई। बुद्ध के समय से लेकर अब तक संस्कृत यहां की जनता की बोली जाने वाली भाषा कभी नहीं रही है, फिर भी, सारे भारतवर्ष पर वह अपना प्रचुर प्रभाव डालती ही आई है।'' नेहरू जी आर्यों को विदेशी मानते थे। सत्य यह है कि आर्य भारतीय ही थे। संस्कृति का विकास भारतवासियों ने किया। द्रविड़ सहित सभी जनों ने संस्कृति का संवर्द्धन किया है। उत्तर दक्षिण की बातें करना खतरनाक है। भारतीय समाज के किसी भी छोटे या बड़े समूह के मध्य अलगाव सिद्ध करना सद्विचार नहीं है। भारत के सबसे बड़े दार्शनिक शंकराचार्य दक्षिण के ही थे और रामानुज भी। चक्रवर्ती राजगोपालाचारी तमिलनाडु के ही थे। भारतीय दर्शन के व्याख्याता, दार्शनिक, राजनेता और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी तमिलनाडु के हैं। प्रख्यात वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम भी दक्षिण के ही थे। ऐसे सभी विद्वानों ने समूचे देश में व दुनिया के अन्य देशों में भी भारतीय दर्शन और संस्कृति को प्रभावित किया है। देश के कोने-कोने सभी वर्गों समूहों में इन महानुभावों का प्रभाव साफ दिखाई पड़ता है। भक्ति दर्शन का आदि क्षेत्र दक्षिण में ही था। हम सबको पूर्वजों पर गर्व होना चाहिए।

डॉ. हेडगेवारः एक आत्म-जागृत व्यक्तित्व

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

100 साल पहले, जब भारतीयों ने एक औपनिवेशिक मानसिकता विकसित की थी, जो उनकी अपनी संस्कृति और धर्म को कमजोर कर रही थी, एक स्पष्ट भविष्यवादी सोच वाले ऐसे महान व्यक्तित्व का हमें आशीर्वाद मिला। उस समय, कई बुद्धिजीवियों ने हिंदुओं को एकजुट करने और प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को विकसित करने की विचारधारा के लिए डॉ. हेडगेवार का मजाक उड़ाया।

यदि हम पिछले चार दशकों में भारत और दुनिया भर में सामाजिक-राजनीतिक और धार्मिक स्थिति का अध्ययन करते हैं और डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार की दृष्टि, मिशन और विचारधारा का ईमानदारी से विश्लेषण करते हैं तो हम वास्तव में धन्य महसूस करते हैं। 100 साल पहले, जब भारतीयों ने एक औपनिवेशिक मानसिकता विकसित की थी, जो उनकी अपनी संस्कृति और धर्म को कमजोर कर रही थी, एक स्पष्ट भविष्यवादी सोच वाले ऐसे महान व्यक्तित्व का हमें आशीर्वाद मिला। उस समय, कई बुद्धिजीवियों ने हिंदुओं को एकजुट करने और प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को विकसित करने की विचारधारा के लिए डॉ. हेडगेवार का मजाक उड़ाया। कल्पना कीजिए कि इस महान राष्ट्र का क्या होता अगर डॉक्टर जी का संगठन और बाद में डॉ. हेडगेवार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाद के सरसंघचालक से प्रेरित कई संस्थान और संगठन विभिन्न क्षेत्रों और विभाजित समाज के सभी वर्गों में काम करना शुरू नहीं करते। वामपंथी-इस्लामी-मिशनरी तिकड़ी ने डीप स्टेट वैश्विक बाजार शक्तियों के समर्थन से इस राष्ट्र को टुकड़ों में तोड़ दिया होता तथा इसे सबसे गरीब राज्य और समाज बना दिया होता, जो अपनी जड़ों को भूल गया है और इस्लामी तथा ईसाई जड़ों को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूँ? इस तथ्य के बावजूद कि कई संस्थान और संगठन डॉक्टर हेडगेवार की विचारधारा से प्रेरित हैं, हम अभी भी देख रहे हैं कि कैसे वामपंथी-इस्लामी-मिशनरियों का एक समूह हिंदुओं को विभाजित करके और इस्लाम और ईसाई धर्म के पक्ष में विचारधाराओं को बढ़ावा देकर इस देश को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। वे कुछ हद तक प्रभावी रहे हैं लेकिन पूरी तरह से नहीं, डॉ. हेडगेवार के दृष्टिकोण और मिशन के परिणामस्वरूप, जिसे लाखों स्वयंसेवकों, कई संस्थानों और संगठनों द्वारा जोरदार तरीके से आगे बढ़ाया गया है। स्वतंत्रता के बाद, राजनीतिक व्यवस्था को वामपंथी-इस्लामी-मिशनरी ताकतों ने हाईजैक कर लिया, जिससे उनके लिए कुछ भी करना आसान हो गया। हालांकि, दशकों से बनी मजबूत जमीनी ताकत और डॉ. हेडगेवार से प्रेरित होकर हर समय उनकी भारत विरोधी योजनाओं का समय समय पर पुरजोर विरोध किया। डॉक्टर हेडगेवार की विचारधारा किसी धर्म को नष्ट करने की नहीं, बल्कि हिंदुओं को एकजुट करने की है, जिससे समाज और राष्ट्र मजबूत हो। उन्होंने महसूस किया कि अधिकांश लोग महान भारतीय संस्कृति के मूल को भूल गए हैं, गुलाम मानसिकता पैदा कर रहे हैं और अपनी लड़ाई की भावना खो रहे हैं। लोग राष्ट्रीय चरित्र बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार नहीं हैं। समाज को मुख्य रूप से जाति के आधार पर लड़ने के लिए ढाला गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि लोग कभी भी ब्रिटिश और मुगल शासन का विरोध करने के लिए एक साथ नहीं आते हैं। महान वेदों, उपनिषदों और भारतीय सभ्यता के खिलाफ दिमाग में जहर भर गया था। लोग छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप और स्वामी विवेकानंद जैसे महान योद्धाओं और संतों को भूल गए थे। वे भगवद गीता और चाणक्य नीति के गहन ज्ञान को भूल गए थे। सबसे महत्वपूर्ण अहसास ''शत्रुबोध'' था, जिसका मतलब था कि लोगों ने यह भेद करने की क्षमता खो दी थी कि कौन उनका मित्र है और कौन उन्हें नष्ट करने का प्रयास कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप जनता और उनके नेताओं के बीच काफी दरार पैदा हो गई थी। इसके परिणामस्वरूप विभिन्न समूहों के लिए अतिरिक्त शत्रु पैदा हो गए थे, साथ ही अनावश्यक बहस भी होती थी। इससे समाज के ताने-बाने को और सनातन धर्म को नुकसान पहुंचा है। इस्लाम और ईसाई धर्म में धर्मांतरण बढ़ा है। इन सभी अनुभूतियों ने डॉ. हेडगेवार को अपने विचारों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया। भारत की सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक महानता को पुनर्स्थापित करने के लिए, बहुआयामी दृष्टिकोण वाले जमीनी स्तर के कार्यबल की आवश्यकता थी, ताकि हमारा राष्ट्र इतना मजबूत हो कि कोई भी इस पर फिर से आक्रमण करने की हिम्मत न करे। अपने वास्तविक जीवन के अनुभवों के आधार पर, उन्होंने हिंदू समाज के पुनर्निर्माण के लिए सभी को एकजुट करने और एक शक्ति, एक संगठन बनाने के महत्व को समझा। इस तरह के विचार को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। राष्ट्रीय उत्थान के लक्ष्य के प्रति उनका निस्वार्थ समर्पण इस तथ्य में देखा जा सकता है कि आरएसएस के गठन, विकास और प्रभाव के पीछे प्रेरणा होने के बावजूद, वे हमेशा सुर्खियों में आने के लिए तैयार नहीं थे। इस प्रकार वे एक उदाहरण बन गए कि एक व्यक्ति को स्वार्थ और महत्वाकांक्षा को त्यागते हुए सार्वजनिक रूप से कैसे व्यवहार करना चाहिए। डॉ. हेडगेवार को लोगों, समाज या राष्ट्र के लिए जो भी काम करते थे, उसका श्रेय लेने की कोई इच्छा नहीं थी। एक क्रांतिकारी के रूप में उन्हें जमीन से काम करने की शिक्षा दी गई थी और उन्होंने इस आदर्शवाद को अपने व्यक्तित्व के अनिवार्य हिस्से के रूप में आत्मसात कर लिया था। संघ की स्थापना के एक दशक बाद भी मध्य प्रांत सरकार का मानना था कि हिंदू महासभा के नेता और डॉ. हेडगेवार के निकट सहयोगी डॉ. बीएस मुंजे ही आरएसएस के सच्चे संस्थापक थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने अपनी जीवनी के निर्माण को सक्रिय रूप से हतोत्साहित किया। डॉ. हेडगेवार ने दामोदर पंत भाफ के बार-बार अनुरोध के बावजूद संघ और उनके प्रति सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया- आप मेरा जीवन विवरण प्रकाशित करना चाहते हैं, हालाँकि, मैं खुद को एक महान व्यक्ति नहीं मानता या मेरे जीवन की ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएँ नहीं हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता हो। संक्षेप में, मेरा जीवन असामान्य व्यक्तिगत जीवनियों से मेल नहीं खाता। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस कार्य को आगे न बढ़ाएँ। डॉ. हेडगेवार के बारे में पहली छोटी पुस्तिका उनकी मृत्यु के बाद ही प्रकाशित हो सकी। डॉ. हेडगेवार के भाषणों, प्रकाशनों और स्मरणों को मध्य प्रांत के समाचार पत्रों में व्यापक रूप से कवर किया गया। पूर्व शोध की कमी के कारण डॉ. हेडगेवार के जीवन के कई पहलू, जिनमें उनके सामाजिक और राजनीतिक विचार शामिल हैं, अज्ञात हैं।

हेडफोन-गेमिंग से बच्चों के बहरे होने का खतरा

ललित गर्ग

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे।

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये-नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता-पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये-नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटो तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा। विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित-नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल-लेपटॉप-ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह-तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए। हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बेहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप एवं शिक्षकों की नसीहतों एवं हिदायतों पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। सरकार भी इसके लिये जागरूक करें। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। आधुनिक सुनने के उपकरणों एवं तेज़ आवाज़ से कान की नसों और हियरिंग सेल्स को नुकसान हो सकता है, जिससे बहरापन भी हो सकता है। एक समय था जब कम सुनाई देने की शिक़ायत बुजुर्ग किया करते थे, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण कम उम्र में भी लोगों में यह समस्या होने लगी है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से सुनने की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है

मानव जीवन में सुनने की क्षमता का अक्षुण्ण रहना जीवन की परिपूर्णता का परिचायक है। इस सचाई को नहीं नकारा जा सकता कि श्रवण यानी सुनने की क्षमता जीवन को नया आकार देने, मानसिक दरिद्रता का निवारण करने तथा ऊंचे ध्येय की पूर्ति हेतु आगे बढ़ने की सही चाबी है। जैसे दवा रोग नाशक होती है, पर गलत दवा के सेवन से रोग घटने की अपेक्षा अधिक बढ़ जाता है, वैसे ही गलत जीवनशैली, गलत तरीको से जीने, गलत तरीके से सुनने की क्षमता का उपयोग करने, अनियंत्रित शोर-शराबे को सुनने से जीवन में विकृतियां एवं परेशानियां घुस जाती है और अनेक तरह के श्रवण रोगों का हमला होने लगता है। इसलिये सुनने की क्षमता का सम्यक उपयोग जरूरी है। देखना और सुनना- ये दोनों ही जीवन-विकास एवं ज्ञान-वृद्धि के माध्यम है। पर सुनना अधिक शक्तिशाली साधन है, क्योंकि आंखों में जो दृश्य प्रतिबिम्बित होते हैं, वे तात्कालिक होते हैं। श्रवण-पथ से ही हम ज्ञान के साथ-साथ दीर्घकालिक अनुभवों को आत्मसात कर सकते हैं। इसलिये श्रवण-पथ या सुनने की क्षमता पर हो रहे हमलों को हम गंभीरता से ले अन्यथा सुनने की पंगुता हमारे जीवन का अभिशाप बन सकती है।

पुरानी रंजिश में ग्रामीण की गोली मारकर हत्या

- घर के बाहर चौपाल पर सो रहा था मृतक
- घटना से पूरा गांव दहशत में, कुरिया कलां चौकी प्रभारी फोर्स के साथ गांव में तैनात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के कांट थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।घर के सामने चौपाल में चारपाई पर सो रहे ग्रामीण को गांव के दबंगों ने ग्रामीण को जबरन उठाकर गले में अंगौछा डालकर पूरे गांव में घसीटते हुए लाठी डंडों से बुरी तरह पीटने के बाद गांव किनारे तालाब के पास असलहों से गोलियां मारकर हत्या कर दी।इस दौरान मृतक के परिजन दबंगों के आगे हांथ जोड़कर छोड़ने की गुजारिश करते रहे लेकिन दबंग आरोपियों ने किसी की एक ना सुनी और हत्या करने के बाद आराम से अपने घरों के तरफ चले गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर रात में ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कांट थाना क्षेत्र के ग्राम यादव गोटिया निवासी राजकुमार 35 रात 11 बजे अपने घर के बाहर चौपाल पर सोए हुए थे।रात करीब साढ़े 11 बजे गांव के निवासी शिवराज, जगपाल, पवन,ब्रजेश राजकुमार को जबरन चारपाई से जबरन उठा ले गए।और गले में गमछा डालकर पूरे गांव में घसीटते हुए तालाब किनारे ले गए और लाठी डंडों से बुरी तरह पीटते रहे।

इस दौरान परिजन दबंगों के सामने हांथ जोड़कर छोड़ने को कहते रहे लेकिन दबंग आरोपियों ने रहम नहीं खाया और राजकुमार को गोलियां मार दीं। रात में ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।पुलिस फोर्स के पहुंचने से पहले आरोपी मौके से भाग निकले।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने को भेजा है।मृतक राजकुमार के भाई महेश ने बताया कि लगभग पन्द्रह साल पहले शिवराज के यहां चोरी हो गई थी।जिसमें रायफल भी चोरी हुई थी।उस मामले शिवराज ने उसके भाई राजकुमार के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था।जिसमे राजकुमार जेल चला गया था।

हालांकि उसके बाद ऐसी कोई बात सामने नहीं आई कि राजकुमार की हत्या हो जायेगी।पन्द्रह वर्ष पूर्व परिवार समेत ससुराल में रह रहा था मृतक :राजकुमार 35 जेल से छूटने के बाद अपनी पत्नी सोमवती,बेटी शिवानी तथा पुत्र रमन को साथ लेकर अपनी ससुराल ग्राम शेषकला थाना पिसावा जनपद हरदोई में रहने लगा था।परिजनों के मुताबिक मृतक राजकुमार कभी कभार ही गांव आते थे।मृतक के भाई ने बताया कि शनिवार शाम गांव के ही जगपाल तथा छबिराम ने उसके भाई को जमकर शराब पिलाई नशा ज्यादा होने पर राजकुमार वही पड़ी चारपाई पर सो गया।आरोप है कि जगपाल और छबिराम ने आरोपितों को फोनकर बुलाया और उसके बाद घटना को अंजाम दिया।

चार माह पूर्व दो भाइयों की बीमारी से हो गई थी मौत

शाहजहांपुर। मृतक के भाई ने बताया कि उसके दो भाइयों की चार माह पूर्व बीमारी से मौत हो गई थी।होली पर गमी निभाने राजकुमार तीन दिन पहले ही आया था।उसकी पत्नी और बच्चे ससुराल में ही थे।रात में सूचना पाकर राजकुमार की पत्नी और बच्चे सुबह तड़के सीधे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।पति का शव देखकर राजकुमार की पत्नी सोमवती दहाड़े मारकर रो पड़ी।मौके पर मौजूद कुछ परिजनों ने उसे बमुश्किल संभाला।मृतक राजकुमार और उसका पूरा परिवार बेहद गरीब है साथ ही गांव में वह बहुत संकोच के साथ झुककर रहता था।उसन सबका सरल स्वभाव ही राजकुमार की हत्या का कारण बन गया।जबकि दबंगों का इतना ज्यादा प्रभाव है कि पूरे गांव में कोई मुंह खोलने को तैयार नहीं था।रविवार शाम चार बजे तक पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ था।

जलालाबाद के कोना याकूबपुर में हिस्ट्रीशीटर बदमाशों का आतंक

- खुले आम गाली गलौज व जान से मारने की धमकी से ग्रामीण परेशान
- ग्रामीणों ने थाने में पहुंचकर किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जनपद के गांव कोना याकूबपुर के दो दर्जन से अधिक ग्रामीण रविवार को थाना जलालाबाद पहुंचे।थाना परिसर में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और सामूहिक रूप से प्रार्थना पत्र देकर थाना प्रभारी को देकर बताया कि गांव में वाल्मीकि समाज का एक ही परिवार रहता है. इसमें रंजीत अजीत मनफूल जो कि वाल्मीकि समाज से आते हैं।. इन लोगों ने ग्रामीणों का जीना मुश्किल कर रखा है।.लोगों के घरों के सामने, गलियों में जाकर खुले आम जाति सूचक गालियां देते हैं जो अपने को भीम आर्मी का कार्यकर्ता बताते हैं ठाकुर समाज के लोगों को गालियां देकर अपमानित करते हैं। थाने में उल्टी सीधी शिकायतें करके हरिजन एक्ट का फायदा उठाते हैं। गांव के कई लोगों से अब तक मारपीट कर चुके हैं आरोपी एक व्यक्ति की हत्या भी कर चुका है जेल से छूटने के बाद वह गांव में उपद्रव मचाए हुए हैं। 2 दिन पहले इन्हीं आरोपियों ने गांव के ही गोविंद पुत्र उमेश की खेत में पड़ी झोपड़ी में आग लगा दी थी जिससे उनका उसमें रखा हुआ सामान जलकर राख हो गया। आरोपी कई लोगों को झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भी भेज चुका है। ग्रामीणों ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है ज्ञापन देने वालों में सोनू रामकुमार रितु श्याम किशोर अग्निहोत्री आदि लोग शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिला ने दी पुलिस को तहरीर

शुक्लागंज-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के भिटवा गांव निवासी रंजिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि होली के अवसर पर उसके घर के बाहर गाने बज रहे थे। तभी गांव के दीपू, हजारी, गोमती और संदीप वहां पहुंचे और गाना बंद करने के लिए कहने लगे। जब रंजिता ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आई उसकी बहन शिल्पी को भी पीटा, जिससे वह घायल हो गई। पुलिस ने दोनों बहनों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होली की दूज पर भाइयो ने दिया बहनो की रक्षा का वचन

शुक्लागंज-उन्नाव। नगर के विभिन्न इलाकों में इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सुबह से ही बहनों ने अपने भाइयों के लिए विशेष तैयारियां की। घरों में मिठाइयां और पकवान बनाए गए। बहनों ने अपने भाइयों को टीका लगाकर उनका मुंह मीठा करवाया और उपहार दिए। वहीं, भाइयों ने भी अपनी बहनों को उनकी रक्षा का वचन दिया और उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कई सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई और भाई-बहन के रिश्ते की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। लोगों ने इस पर्व को पारंपरिक तरीके से मनाकर अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का संकल्प लिया। ग्रामीण इलाकों में भी इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। वहां लोगों ने सामूहिक रूप से टीका करने की रस्म निभाई और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। इस दिन भाई-बहन के रिश्ते की अहमियत को याद किया गया और परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सद्भावना का संदेश फैलाया गया।

पिता ने पुलिस को तहरीर देकर की कार्यवाही की मांग

सफीपुर-उन्नाव। मात्र कहा सुनी के बाद हुए विवाद में युवक पर धारदार हथियार से हाथ व गर्दन पर वार कर घायल कर दिया बचाने दौड़े पिता को भी मारा -पीटा दोनों को परिजन सी एच सी सफीपुर लाए जहा पुत्र की हालत गंभीर देख कानपुर रेफर कर दिया गया।घायल पिता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दे कर कार्यवाई की मांग की। कोतवाली क्षेत्र सकहन सराय निवासी काशी प्रसाद ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शनिवार उसका पुत्र सोनू 28 वर्ष गाव में रंग खेल वापस आ गया फिर रात गाव में दुकान जाने का बता निकला था जहां गाव निवासी मनीष पुत्र राकेश,मंगल पुत्र कुसेहर वेदराज पुत्र पूरन मिल गए सोनू और मनीष में किसी बात पर कहा सुनी हो गई जिसके बाद मंगल व वेदराज ने सोनू को पकड़ लिया और मनीष ने धारदार हथियार से सोनू के हाथ और गर्दन पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया उसे बचाने पहुचे पिता काशी के भी हाथ पर वार कर घायल कर आरोपी भाग खड़े हुए। परिजन गंभीर घायल सोनू व पिता काशी को लेकर सी एच सी पहुचे जहा सोनू को हैलेट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण सिंह ने बताया कि पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाई की जा रही है।

19 मार्च से दो अप्रैल तक जांची जाएंगी यूपी बोर्ड की कापियां

उन्नाव । यूपी बोर्ड की परीक्षाएं इस बार बुधवार 12 मार्च को समाप्त हो गई। अब कापियों की जांच 19 मार्च से शुरू होगी। जिले में हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाएं 114 केंद्रों पर दो पालियों में कराई गईं। कापियां जांचने का काम 19 मार्च से दो अप्रैल तक चलेगा। इस संबंध में यूपी बोर्ड की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मूल्यांकन केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने के निर्देश भी माध्यमिक शिक्षा निदेशक डा. महेंद्र देव ने जारी किए हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा की परीक्षा खत्म होने के बाद केंद्रों से लाई गई सभी उत्तर पुस्तिकाओं को राजकीय इंटर कालेज में बने संकलन केंद्र में सुरक्षित रखवाया गया है। बोर्ड परीक्षा की समूची कापियां संकलन केंद्र में रखवाई गई हैं। जनपद में इस बार 4.05 लाख उत्तर पुस्तिकाओं का प्रयोग परीक्षा के दौरान 72332 परीक्षार्थियों ने किया। जिनका मूल्यांकन करने के लिए यह उत्तर पुस्तिकाएं दूसरे जिले भेजी जाएंगी। जबकि, जिस जिले में यह उत्तर पुस्तिकाएं जाएंगी। वहीं सभी संभवतः जनपद को वहां की उत्तर पुस्तिकाएं भेजी जाएंगी। जिला विद्यालय निरीक्षक एसपी सिंह ने बताया कि 17 तक उत्तर पुस्तिकाएं जिले को प्राप्त होने की संभावना है। इसके साथ ही शासन के निर्देशों का पालन करना है। अभी निर्देश आए नहीं हैं। निर्देश आने के साथ ही परीक्षकों की संख्या, मूल्यांकन केंद्र आदि निर्धारित किए जाएंगे।

रमज़ान के दूसरे अशरे में इफ्तार पार्टियों के आयोजन हुए तेज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। रमज़ान माह का दूसरा अशरा शुरू हो चुका है। इसी के साथ रोजा इफ्तार पार्टियों के आयोजन भी तेज हो गए हैं । रमज़ान को दस दस दिनों के तीन आशरों में बांटा गया है दस दिन का पहला अशरा पूरा हो चुका है दूसरा अशरा शुरू हो गया है और इसी के साथ लोग ईद की तैयारियों में भी जुट गए है और इफ्तार पार्टियों के आयोजन भी तेज हो गए है एक एक दिन में कई कई स्थानों में रोजा इफ्तार पार्टियों के आयोजन हो रहे हैं । इसी कड़ी में शनिवार को भी कई जगहों पर इफ्तार पार्टियों के आयोजन हुए निज़ामी पैलेस में अरशद निज़ामी और शाहिद निज़ामी ने इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जिसमें सैकड़ों रोजदारों ने शिरकत की इसके अलावा नवाब टैंक के सामने डाक्टर नमरा शीराज के आवास में इफ्तार पार्टी आयोजित हुई । नरैनी रोड स्थित दरगाह मिस्कीन शाह वारसीय परिसर में हसन वारसी, और निज़ाम फारूकी मुतवल्ली दरगाह मिस्कीन शाह वारसी की तरफ से दरगाह परिसर में हर साल की तरह इस साल भी रोज़ा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया इफ्तार पार्टी में दरगाह के खादिम अजमल शाह वारसी मुन्ना बाबा, शहज़ाद हुसैन वारसी, वारसी एकेडमी के अध्यक्ष अनीस वारसी, शाह आलम, डाक्टर शोएब नियाज़ी सहित सैकड़ों रोजदारों ने इफ्तार पार्टी में शिरकत की मगरिब की अज़ान के साथ सभी रोजदारों ने रोजा इफ्तार किया इसके बाद इम्तेयाज़ हुसैन वारसी ने मगरिब की नमाज़ पढ़ाई नमाज़ के बाद मुल्क में अमनो अमान की दुआ मांगी गई । इसी तरह शनिवार को 14वें रोजे पर जिला परिषद स्थित निजामी पैलेस में शाहिद निजामी ने सामूहिक इफ्तार कराया। बड़ी तादाद में रोजगार शामिल हुए! मौलाना सैयद हामिद रब्बानी ने नमाज अदा कराई। इस मौके पर अच्छे मियां, हाजी शब्बीर अली बबलू, हाजी फरहत, हाजी रईस अहमद, इमरान अली राजू, सलीम अहमद, सईद अहमद भाजपा नेता आरिफ खान, सेवर्स ऑफ लाइफ के सलमान खान समेत बड़ी संख्या में रोजदार शामिल रहे ! अरशद निजामी और उमम निजामी ने सभी रोजगारों का शुक्रिया अदा किया।

अज्ञात कारणों के चलते किराना दुकानदार ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जसपुरा/बांदा। जसपुरा थाना क्षेत्र के गजपुरवा निवासी घनश्याम निषाद (35) पुत्र विशम्भर ने फांसी लगाकर आत्महत्या की। परिजनो ने बताया कि घनश्याम पुत्र विशम्भर ने अपने ही घर पर छज्जा के छल्ले से कपड़े कि रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद मृतका की पत्नी गायत्री सदमे में आकर तवियत विगड़ गई। जिसे सीएचसी जसपुरा में भर्ती कराया गया । जिसका इलाज सीएचसी जसपुरा में चल रहा है। मृतका के एक लड़का, एक लड़की है व पत्नी गायत्री है। उस समय मृतका की पत्नी गायत्री दुकान में थी, और बच्चे बाहर खेल रहे थे। काफी देर बाद जब पति दुकान नही आया तब पत्नी ने देखा तो पति फाँसी पर झूल रहा था । उस हादसे को देखकर पत्नी ने जोर से चिल्लाई। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को आनन-फानन सूचना दी। घनश्याम किराना की दुकान अपने ही घर पर खोले था । उस समय मृतका की जो प्रतिदिन दुकान में बैठता था। मृतका के नाम लगभग 5 विघा जमीन बतया गया है। मृतका तीन भाई, दो बहनो में सबसे छोटा था।

जमीनी विवाद को लेकर भाई ने बहन की धारदार हथियार से की हत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पैलानी/बांदा। चंद बीघा खेत के लिए सगे भाई ने बहन के साथ में खून की होली खेली।एक ओर जहां देश व विदेश में होली के अवसर पर रंगों का खेल खेला जा रहा है वहीं जनपद के पैलानी थाना क्षेत्र के खप्टिहा कलां चौकी अंतर्गत सेमरा डेरा में शुक्रवार की सुबह मात्र चार बीघा सोलह बिस्वा खेत के लिए भाई ने अपनी बहन की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दिया।गंभीर रूप से घायल बहन ने हल्ला मचाया तो हाथ में तमंचा और वही धारदार हथियार लिए भागते हुए दुबारा आकर काम समाप्त करने की बात कहते हुए निकल गया। धारदार हथियार से 50 वर्षीय महिला की हत्या से क्षेत्र से सनसनी फैला गई।खबर की जानकारी पाकर मौके पर इलाकाई पुलिस सहित कई आला अफसर पहुंचे।घटना की जानकारी देते मृतका के भतीजे अंगद ने बताया कि उसकी चाची सुशीला तथा मामा संतोष निषाद के बीच जमीन का विवाद चल रहा था उसकी वजह से यह घटना हुई है।पैलानी थाना प्रभारी सुखराम ने बताया कि थाना क्षेत्र के सिमरा डेरा की सुशीला पत्नी रज्जू प्रसाद निषाद उम्र 50 को उसके सगे इकलौते भाई संतोष निषाद बाबूलाल उम्र 53 साल निवासी दरदा मजरा बड़ा डेरा थाना कोतवाली नगर ने सुबह घर की सफाई कर रही मृतका के ऊपर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया जब तक परिजन उसको जसपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए तब तक उसकी मौत हो गई।

माँ के द्वारा खरीदी गई जमीन बनी हत्या की वजह

बांदा। दरदा गांव के मजरा बड़ा डेरा के बाबूलाल निषाद के पास लगभग 10 बीघा जमीन थी जिससे उसने तीन बेटी एवं एक बेटा की परिवरिस कर अपनी पत्नी ईमरती के नाम काफी पैसा भी जमा कर लिया था।उसी पैसे से ईमरती ने अपनी मझली बेटी सुशीला के नाम चार बीघा सोलह बीघा जमीन पांच साल पहले खरीद लिया था।वही खरीदी गई जमीन बनी भाई बहन के बीच दुश्मनी की वजह।

अतर्रा पोस्ट ग्रेजुएट कालेज की प्रबंध समिति के चार सदस्यातें की सदस्यता निरस्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अतर्रा/बांदा। हमेशा चर्चा में रहने वाली अतर्रा पोस्ट ग्रेजुएट कालेज की प्रबंध समिति एक बार फिर सुर्खियों में है।इस बार चर्चा इसलिए है क्योंकि खुद प्रबंधक सहित चार सदस्यों की सदस्यता रजिस्ट्रार ने निरस्त करने का फरमान जारी कर दिया है। बताते चलें कि कि अतर्रा कॉलेज प्रबंध समिति के हुए चुनावों में डा. योगेंद्र सिंह प्रबंधक एवं कार्यकारिणी का गठन हुआ था।चुनाव के वक़्त भी पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाये गए थे।परंतु तत्कालीन अधिकारियों ने चुनाव करा दिये।अब उन्हीं प्रबंधक डा . योगेंद्र सिंह सहित चार सदस्यों पर उन्हीं के कमेटी के तीन आजीवन सदस्यों ने गंभीर सवाल खड़े किये थे। जिसके बाद संपूर्ण प्रकरण की जाँच सहायक रजिस्ट्रार ने की और प्रबंध समिति के अध्यक्ष सहित तीन सदस्यों की सदस्यता निरस्त कर दी। सदस्यता निरस्त करते हुए संस्था में हुई वित्तीय अनियमितता की जाँच के लिए शासन को पत्र लिखा है।

फर्मस् सोसायटी एंड चिट्स झाँसी मंडल झांसी के सहायक रजिस्ट्रार राम मुरारी लाल द्वारा जारी आदेश के उल्लिखित तथ्यों में बताया गया है कि उक्त संस्था के सदस्य करुणा शंकर द्विवेदी,संतोष कुमार अग्रवाल व नरेंद्र कुमार जैन ने संयुक्त रूप से प्रबंधक समिति के औचित्य पर सवाल उठाते हुए प्रबंधक डा . योगेंद्र सिंह, डा. पवन सिरौठिया, डा. शिवेंद्र सिंह बघेल, डा. रणवीर सिंह चौहान की इस बावत शिकायत की थी कि ये सभी सरकारी सेवाएं दे रहे हैं और इनमें क्रमशः महात्मा गाँधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, उद्यान विभाग लखनऊ व चित्रकूट व सी आई सी चित्रकूट के प्रधानाचार्य हैं। जबकि सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत सरकारी सेवा में कार्यरत लोग कमेटी के सदस्य नहीं हो सकते।इसके अलावा इन सबकी ओर से सारे लोगों ने साधारण सभा की सूची में व्यवसाय भी गलत दर्शाया गया है।प्रबंधक पर लगातार दो आधार कार्डों के प्रयोग का भी गंभीर आरोप है।गंभीर आरोपों की जाँच करते हुए प्रबंध समिति के अध्यक्ष सहित चार सदस्यों की सदस्यता को आरोप सही पाए जाने पर सहायक रजिस्ट्रार ने निरस्त कर दी है।

कल्लू सिंह राजपूत बने भाजपा के जिलाध्यक्ष

- पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से किया स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। भारतीय जनता पार्टी ने जिले में अपने संगठन को और मजबूत करने के उद्देश्य से नए जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इस कड़ी में बांदा जिले के लिए कल्लू सिंह राजपूत को नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बीजेपी की ओर से अभी कई जिलों में अध्यक्ष पद की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन जिन जिलों में नाम तय कर लिए गए हैं, वहां पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। कल्लू सिंह राजपूत की नियुक्ति के बाद समर्थकों ने उन्हें बधाइयाँ दीं और इस फैसले को संगठन के लिए महत्वपूर्ण बताया। कल्लू सिंह राजपूत के जिलाध्यक्ष बनने से पार्टी को संगठनात्मक स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद है। वे पहले भी संगठन में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं और उनके अनुभव का लाभ आगामी चुनावों में पार्टी को मिल सकता है। कल्लू सिंह राजपूत की नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की और कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई दिशा मिलेगी। आने वाले समय में भाजपा संगठन को और मजबूत करने के लिए नई योजनाओं पर काम करेगी।

पार्टी की संगठनात्मक ताकत को बढ़ाने और चुनावी मैदान में पार्टी के समर्थकों और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के उद्देश्य के साथ भाजपा ने रविवार को जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी। जिला अध्यक्ष पद हेतु 94 दावेदारों में भाजपा हाईकमान ने इस बार पिछड़ा वर्ग को तरजीह देते हुए जिला महामंत्री रहे कल्लू सिंह राजपूत को जनपद का जिलाध्यक्ष घोषित किया है। रविवार को पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में जिला चुनाव अधिकारी बाल्मीकि तिवारी ने जैसे ही जिलाध्यक्ष पद पर कल्लू सिंह राजपूत के नाम की घोषणा की वहां बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिंदाबाद, भारत माता की जय, वन्देमातरम के जय घोषों के बीच फूल मालाओं से लाद दिया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट किए। जिला भाजपा कार्यालय के खचाखच भरे सभागार में जिला प्रभारी रामकिशोर साहू ने कहा कि 2045 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने,दासता से मुक्ति तथा विरासत पर गर्व प्रमुख उद्देश्यों को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी दिन रात काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए अपना सुख त्यागना पड़ेगा। हम धन्य हैं कि हमें मोदी और योगी युग में कार्यकर्ता के रूप में पार्टी का कार्य करने का मौका मिला। ष्संगठन गढ़े चलो, सुपंथ पर बढ़े चलो, भला हो जिसमें देश का वह काम सब किए चलोष गीत दोहराते हुए कार्यकर्ताओं को दायित्व बोध कराया। जिला निर्वाचन अधिकारी बाल्मीकि तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय है। पार्टी की कल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान 'विश्वशक्ति' एवं 'विश्व गुरू' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। इसके साथ ही विश्व शांति तथा न्याययुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखे।

24 मार्च से होंगी परिषदीय बेसिक स्कूलों की वार्षिक परीक्षाएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 2709 परिषदीय विद्यालयों के 2.29 बच्चे देंगे परीक्षा
- 28 मार्च तक होंगी परीक्षा, 29 को दिया जाएगा रिजल्ट

उन्नाव। जिला बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत 2709 विद्यालयों में वार्षिक परीक्षा का आयोजन 24 मार्च से शुरू हो रहा है। शासन ने 2.29 लाख बेसिक के बच्चों की वार्षिक परीक्षा कराये जाने के लिए कुल छह दिन का समय निर्धारित किया है। शासन ने जहां परीक्षा शुरू कराये जाने से पहले व परीक्षाफल वितरण तक की सारी कवायद निर्धारित कर दी है। बीएसए संगीता सिंह ने बताया कि वार्षिक परीक्षाओं की तैयारियां तेजी से चल रही हैं और प्रश्न पत्र बनवाए जा रहे हैं।जिले में परिषदीय विद्यालयों में वार्षिक परीक्षाएं 24 मार्च से शुरू होकर 28 मार्च तक चलेंगी। परीक्षा का परिणाम 29 मार्च को घोषित किया जाएगा। इस दौरान अभिभावकों को उनके बच्चों की उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई जाएंगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सिंह ने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद से निर्देश प्राप्त हो गए हैं। प्रश्न पत्र 22 मार्च तक स्कूलों में भेज दिए जाएंगे। परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। पहली पाली सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 12.30 बजे से 2.30 बजे तक होगी। बीएसए ने बताया कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे। कक्षा आठ की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन बीआरसी पर होगा, जबकि कक्षा एक, दो, तीन, चार, छह और सात की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर ही किया जाएगा। कक्षा पांच की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन न्याय पंचायत स्तर पर किया जाएगा। मूल्यांकन के लिए दूसरे विद्यालयों के शिक्षकों को तैनात किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन समय से किया जाएगा। बीईओ व शिक्षकों सभी व्यवस्थाएं पुख्ता करने को निर्देश दे दिए गए हैं।

दो भाइयों की आपसी कहासुनी से एक को पड़ा दिल का दौरा

- दिल का दौरा पड़ने से युवक की मौत, मौत की खबर पर दूसरे भाई ने लगाई फाँसी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में एक ही परिवार के चचेरे भाइयों के बीच शनिवार को किसी बात को लेकर कहासुनी होने लगी। तभी दिल का दौरा पड़ने से एक भाई की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही दूसरा भाई फांसी के फंदे से लटक गया। जिससे दूसरे भाई की भी मौत हो गई। पुलिस ने एकसाथ दोनों भाईयों के शव पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा रहा। जानकारी अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गांव छतरापुर, कोलिया निवासी सुधीर (32) पुत्र गंगा प्रसाद अभी तीन दिन पूर्व होली त्योहार पर अपने घर आया था। शनिवार को सुधीर और चचेरे भाई अनूप (25) पुत्र पप्पू के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी होने लगी। तभी सुधीर की हालत बिगड़ गई। परिजन आनन-फानन उसे ग्राम मदार नगर के एक अस्पताल लेकर पहुंचे।

किंतु उसने इलाज करने से मना कर दिया। तब परिजन उसे लेकर बांगरमऊ के सीएचसी आए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किंतु फिर भी परिजनों को चिकित्सकों पर विश्वास नहीं हुआ और सुधीर को दिखाने बिल्हौर कानपुर ले गए। वहां भी डाक्टर ने उसे मृत बताया।

उधर शनिवार की देर रात मौत की सूचना मिलते ही दूसरा चचेरा भाई अनूप इतना डर गया, उसने अपने घर पहुंच कर रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर लटक गया। जिससे दूसरे चचेरे भाई अनूप की भी मौत हो गई। एक ही परिवार मे अचानक दो-दो मौतें होने से परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि दो चचेरे भाइयों की मौतें हुई हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

व्यक्ति की साफी से गला दबाकर हत्या करने वाले अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज को थाना बिसंडा पुलिस द्वारा व्यक्ति की साफी से गला दबाकर हत्या करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया । गौरतलब हो कि 13/14 मार्च 25 की रात्रि को थाना बिसंडा क्षेत्र के ग्राम सिकलोढ़ी में गांव के ही अभिलाष उर्फ चुनवाद का शव मिला था । इस सम्बन्ध में मृतक के भाई संतोष सिंह द्वारा गांव के ही देवचरन उर्फ सूरजा पर हत्या का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया गया था जिसके सम्बन्ध में थाना बिसण्डा पर अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे थे । इसी क्रम में आज थाना बिसण्डा पुलिस द्वारा अभियुक्त को ग्राम सिकलोढ़ी से गिरफ्तार कर लिया गया।

बैंडबाजा व बरातियों को लेकर होली पर 41 सालों बाद दूल्हे संग लौटी दुल्हन

- इस बार भैंसे से नहीं कार से गए थे मिश्राजी
- निभाई गई अनोखी परंपरा, होली पर 41 साल बाद दूल्हे संग लौटी दुल्हन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। रंगों, हंसी-मजाक और प्रेम-भावना से परिपूर्ण होली भारत का एक ऐसा उत्सव है, जो उल्लास, उमंग और सामाजिक समरसता का प्रतीक माना जाता है। भारत में विभिन्न स्थानों पर होली मनाने की अलग-अलग अनूठी और ऐतिहासिक परंपराएं देखने को मिलती हैं। ऐसी ही एक विलक्षण परंपरा जनपद लखीमपुर-खीरी में ईसानगर के नरगड़ा गांव में कई दशकों से देखने को मिलती है। पड़ोसी जनपद शाहजहांपुर में लाट साहब का जुलूस निकाला गया तो वही जनपद खीरी में मिश्रा जी 41वीं बार बारात लेकर गए आखिरकार इस बार वह दुल्हन की विदा करा लाए। जिले के ईसानगर क्षेत्र के नरगड़ा गांव में 41 साल बाद आखिर इस बार होली पर दुल्हन दूल्हे के साथ लौट आई इससे पहले अब तक 40 बार दूल्हा बिना दुल्हन के लौट चुका है इस बार दूल्हे का कार से बरात लेकर आना हुआ तो दुल्हन उसके साथ खुशी-खुशी विदा हो गई वैसे बीते 40 वर्षों से वह सवारी भैंसे पर बैठकर दुल्हन को विदा कराने जाता था असल में यह असली बारात नहीं बल्कि होली पर होने वाला एक स्वांग परम्परागत है, जो 41 सालों से परंपरागत तरीके से शाहजहांपुर के लाट साहब की तर्ज पर मनाया जाता है। जानकारी मुताबिक, शाहजहांपुर के लाट साहब की तरह लखीमपुर खीरी जिले की धौरहरा तहसील के ईसानगर ब्लॉक की ग्राम पंचायत नरगड़ा गांव में होली पर एक स्वांग होता है इसमें गांव के विशम्भर दयाल मिश्रा दूल्हा बन बरात लेकर गांव में ही अपनी ससुराल जाते हैं असली बारात की तरह द्वारचार, अगवानी, मंगलाचार सहित वर पूजन के बाद फ़ेरे भी होते हैं, लेकिन विदाई के समय दुल्हन, दूल्हे के साथ नहीं जाती इसकी वजह दूल्हे की सवारी भैंसा होना होता है।

इस साल सवारी भैंसा की जगह कार से गया दूल्हा!

इस तरह दूल्हे को 40 बार बिना दुल्हन के बैरंग लौटना पड़ा इस बार दूल्हे ने अपनी सवारी बदली और आधुनिक दूल्हे की तरह दुल्हन को विदा कराने कार से बरात लेकर पहुंचे तो दुल्हन मोहनी भी विवाह के बाद आखिरकार 40 साल बाद विदा हो गई बता दें होली पर इस गांव में यह स्वांग परंपरागत तरीके से मनाया जाता है स्वांग के मुख्य पात्र विश्वभर मिश्रा और उनकी पत्नी मोहनी हैं।

41 सालों से चल रही परंपरा

होली के 10 दिन पहले मोहनी को उसके मायके नरगड़ा गांव भेजा जाता है होली के दिन दूल्हा बनकर विश्वम्भर मिश्रा गाजे बाजे के साथ बरात लेकर अपनी ससुराल पहुंचते हैं इस स्वांग को देखने के लिए पूरे ईसानगर क्षेत्र के लोग इकट्ठा होते हैं? चली आ रही यह परंपरा 41 वर्षों से हर साल होली पर होती है।

चोरों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही गोला पुलिस

- पुलिस गश्त केवल नगर की सड़कों तक ही सीमित, नगर में चोर सक्रिय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। सोशल मीडिया व नगर की मुख्य सड़कों पर सक्रीय रहने वाली कोतवाली गोला पुलिस की पोल तब खुल गई जब होली की रात को ही घर से बाहर गए एक सर्राफा व्यापारी व व्यापार मंडल के जिला महासचिव के बन्द पड़े घर मे चोरों ने ताला तोड़कर लाखों के जेबरात व नकदी पार कर दी। गोला नगर के मोहल्ला मुन्नूगंज निवासी दुर्गेश सोनी 12 मार्च को करीब साढ़े सात बजे बस द्वारा सपरिवार मकान में ताला डाल कर गए हुए थे। उन्होंने तहरीर में लिखा है कि घर की चाभी राखी वर्मा पुत्री राम भरोसे वर्मा निवासी कासीराम आवास के सामने गोला देहात जिला-खीरी को घर पर चिड़ियां व मछलियों को दाना देने के लिए 15 मार्च को शाम करीब 5 बजे गई थी। जहां पहुंचने पर उक्त अमित त्रिपाठी व राखी वर्मा ने देखा कि गेट का ताला टूटा है तथा अन्दर जाकर देखा तो अन्य दरवाजे के ताले भी टूटे थे, जिसकी सूचना तत्काल फोन पर दी तथा थाना गोला पुलिस को भी अवगत कराया। दुर्गेश सोनी की माता कुसुम सोनी ने जानकारी देते हुए बताया लड़के का स्वास्थ्य ठीक नही है और उसका इलाज दिल्ली में चल रहा है।जो परिवार सहित गया था।लड़के के घर में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर सेफ का लॉकर तोड़कर उसमे रखा जेवर लगभग डेढ़ किलो चांदी तथा 25 ग्राम सोना व नकद रूपया 10,000 चोरी करके ले गये है। लाखों रुपए की चोरी से परिवार के लोग सन्न हैं, वहीं पुलिस जांच करने मे जुट तो गई है परन्तु अभी तक हाँथ खाली हैं।इससे पहले भी कुम्हारन टोला में अशोक कुमार गुप्ता पूरे परिवार से उज्जैन दर्शन करने गए थे। उनके बन्द पड़े मकान में चोरों ने लगभग 25 लाख के जेबरात व नकदी पार की थी। जिसका कोतवाली गोला पुलिस अबतक कोई सुराग नहीं लगा पाने से पीड़ित का गोला पुलिस से भरोसा उठ गया है। गोला पुलिस का मुखबिर तंत्र कमजोर है या नीयत जो भी हो ,नगर में चर्चाओं के बाजार गर्म हैं लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत

लखीमपुर खीरी।जिले के उचौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम कमालपुर गंगा सिंह में करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। होली पर उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। ग्राम कमालपुर गंगासिंह निवासी राघवेन्द्र कुशवाहा (26) पुत्र जयपाल साथियों संग होलिका के लिए लकड़ियां लेने गया था। खेतों में जंगली जानवरों सुअर आदि की शिकार करने के लिए पतले तार में शिकारियों ने कटिया डालकर करंट प्रवाहित कर रखा था। करीब 170 मीटर महीन तार कई खेतों में बिछाया गया। लकड़ी लेने गए राघवेंद्र कुशवाहा और सचिन तार की चपेट में आ गए, जिससे दोनों को करंट लग गया। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली का करंट लगने से राघवेंद्र के दोनों पैर झुलस गए, उसका मौके पर मौत हो गई। जबकि सचिन को हल्का झटका लगा। उसके दोनों पैरों में जले के हल्के निशान बन गए। घटना बृहस्पतिवार रात लगभग दस बजे की है। साथियों की सूचना पर गांव वाले घटना स्थल पर पहुंचे। कटिया को हटवाया। राघवेंद्र और सचिन को सीएचसी पसगवां ले गए। जहां चिकित्सक ने राघवेंद्र को मृत घोषित कर दिया। सचिन को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। सूचना पर थाना उचौलिया और पसगवां पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। उचौलिया पुलिस ने राघवेंद्र के शव को पोस्टमॉर्टम कराया है।

पुलिया के नीचे झाड़ी में मिला 33 वर्षीय युवक का शव,जांच में जुटी पुलिस

धौरहरा खीरी। रविवार दोपहर रेहुआ धौरहरा रोड स्थित ग्राम सरसवा के पास बनी पुलिया के नीचे झाड़ी में से 33 वर्षीय युवक का शव पाया गया। युवक की शिनाख्त डिहुआ निवासी जयदीप के रूप में हुई है।पुलिस ने शव को पी एम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत ढिहुआ (पहाड़िया) कलां निवासी जयदीप भार्गव (33) पुत्र कौशल का शव रेहुआ बसंतापुर मार्ग के किनारे ग्राम सरसवा के पास एलीमेंट्री स्कूल के नजदीक बनी पुलिया के नीचे से पुलिस ने बरामद करते हुए पी एम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक सुरेश मिश्रा ने बताया कि फिलहाल परिजनों को सूचना दे दी गई है। तहरीर व पी एम रिपोर्ट मिलने पर जांचोपरांत कार्यवाही जाएगी।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

बांदा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा बॉंदा द्वारा प्रतिवर्ष की भॉंति इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम से होली मिलन समारोह का आयोजन होटल राम दा में किया गया। इस अवसर पर रामलला तथा शक्ति की देवी मॉं दुर्गा एवं सम्राट विक्रमादित्य के चित्र पर डा0 जगरुप सिंह परिहार, रामकिशोर सिंह पाटीदार (पूर्व प्रधान मवई) तथा ई0 ओमप्रकाश मसुरहा ने पुष्पार्चन करके समारोह का शानदार शुभारंभ किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा बॉंदा के जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह परिहार ने महासभा के वार्षिक क्रियाकलापों की चर्चा करते हुये सभी को अवगत कराया कि आने वाली 1 अप्रैल से 4 अप्रैल तक राजस्थान के प्रशिक्षकों की देखरेख में चौधरी पहलवान सिंह इंटर कॉलेज इचौली में आवासीय संस्कारशाला का आयोजन किया जाएगा । इस शिविर में 13 वर्ष से 23 वर्ष आयु वर्ग के बालक तथा नवयुवा प्रतिभाग कर सकते हैं।

बॉंदा रोटी बैंक की टीम ने कपड़े व किताबों को किया वितरण

बांदा। रविवार को बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख़ सादी जमा व सहसंरक्षक चन्द्र मौली भारद्वाज के संरक्षण में बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के अध्यक्ष रिजवान अली की अध्यक्षता में बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के सदस्य महेन्द्र पाल के नेतृत्व में ग्राम प्रधान विनय कुमार प्रजापति ग्राम पथरी चहितारा ब्लॉक बड़ोखर तहसील बांदा की उपस्थिति में शहर के जिम्मेदार जागरूक लोगों द्वारा दिए गए गर्म कपड़े,गर्मी के कपड़े, जूते चप्पल आदि का वितरण जरूरतमंदों ग्रामीणों को किया गया तथा साथ ही ग्रामीणों को नशामुक्ति तथा उनके कानूनी अधिकार के प्रति बॉंदा रोटी बैंक सोसाइटी की टीम की महिला उपाध्यक्ष श्रीमती तरन्नुम फ़ातमा के द्वारा जागरूक किया गया उक्त गर्म कपड़े, जूते चप्पल आदि पाकर ग्राम वासियों में अपार खुशी दिखाई दी सभी लोगों को दुआएं आशीर्वाद से नवाजा उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप में मुईनुद्दीन फ़ारूक़ी उपाध्यक्ष, मोवशमीम कार्यालय प्रभारी, मोहम्मद सलीम उपाध्यक्ष,मोहम्मद इदरीश सचिव, शहाना खान, राजकिशोर आदि पदाधिकारी , सदस्यों एवं समाजसेवियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

दूसरे दिन होली खेल रहे बच्चों से मौलाना पर पडा रंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- बौखलाये मौलाना ने चप्पल से बच्चों को पिटा
- छुड़ाने पहुंची महिलाओं को भी भद्दी गलियों देते हुए घसीट कर पीटा

धौरहरा खीरी। थाना धौरहरा क्षेत्र के एक गांव में होली के दूसरे दिन दोपहर बाद रंग- गुलाल खेल रहे बच्चों द्वारा गांव के रास्ते पर निकल रहे एक गैर समुदाय के व्यक्ति पर रंग पड़ने पर व्यक्ति ने बच्चों को पीटकर दूसरे के घर में छुपा। प्राप्त जानकारी के अनुसार धारा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मंगरौली में होली के दूसरे दिन दोपहर बाद गांव के बच्चे और लड़कियों द्वारा सामूहिक रंग खेला जा रहा था इसी दौरान अचानक रास्ते पर गांव के ही एक मौलाना कुर्बान पुत्र ताहिर अली रास्ते पर निकल रहे थे कि बच्चों द्वारा मौलाना पर गुलाल फेंका गया रंग पढ़ते ही मौलाना आग बबूला होकर बच्चों की चप्पलों से धुनाई करने लगा जिसको देख 18 वर्षीय लड़की सीमा सीमा दौड़कर बच्चों को छुड़ाने लगी परंतु आपे से बाहर मौलाना ने लड़की की भी पीटने लगा लड़की को पीटते देखकर घर की महिलाओं ने पुत्री को छुड़ाने पहुंची तो मौलाना उग्र होकर महिलाओ गंदी-गंदी गालियां देते हुए के कपड़े फाड़ते हुए, बाल नोच -नोचकर घसीट -घसीट मारने लगा इसी बीच और शोर शराबा सुनकर पहुंचे ग्रामीणों को देख मौलाना भागते हुए अपने रिश्तेदार बिलाल,कलीम, नेता मोइनुद्दीन अंसारी के घर मे घुस गया और रिश्तेदारों ने ग्रामीणों को धमकाते हुए मारने की धमकी दी उग्र हिंदू समुदाय के ग्रामीणों ने रिश्तेदारों का घर चारों तरफ से घेर लिया और मौलाना को बाहर निकालने की बात पर अड़ गये दंगे की सूचना पर थाना प्रभारी सुरेश मिश्रा दलबल के साथ गांव पहुंचे उन्होंने मौलाना को घर से निकलते हुए हिरासत में लेकर मामले को शांत कराते हुए गांव पुलिस बल तैनात कर दिया । इस मामले पर थाना प्रभारी सुरेश मिश्रा ने बताया कि मौलाना कुर्बान अली पर विधिक कार्रवाई के साथ जेल भेजा जा रहा है ।

कलश यात्रा से शुरू होगा संत तुलसीदास मेला भव्य महायज्ञ और रासलीला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। होली के पर्व पर इस वर्ष भी राम वाटिका धाम में एक भव्य आयोजन होने जा रहा है। यहाँ पर गोस्वामी तुलसीदास की कर्मस्थली पर पचीसवें महायज्ञ और संत श्री तुलसीदास महोत्सव के साथ श्रीराम नाम महायज्ञ एवं श्रीकृष्ण रासलीला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 16 मार्च से 26 मार्च तक चलेगा। राम वाटिका धाम उत्थान समिति के पदाधिकारियों ने सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। रविवार को कलश यात्रा के साथ श्रीराम नाम महायज्ञ एवं श्रीकृष्ण रासलीला की शुरुआत होगी। राम वाटिका धाम के संरक्षक भगवती प्रसाद अग्रवाल ने जिले के सभी निवासियों से इस कार्यक्रम में भाग लेने और सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में बरसाना और मथुरा के कलाकारों द्वारा दिन में रामलीला और रात में रासलीला का मंचन किया जाएगा।साथ ही, कार्यक्रम के दौरान निर्धन कन्याओं का विवाह भी कराया जाएगा और यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन होगा। आयोजकों ने धौरहरा और जिले के अन्य सभी निवासियों से अपील की है कि वे इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपना सहयोग प्रदान करें। आयोजकों ने यह भी बताया कि कार्यक्रम के दौरान लगातार भंडारा चलता रहेगा, जिससे सभी भक्तों को भोजन की व्यवस्था की जाएगी। राम वाटिका धाम का ऐतिहासिक महत्व भी है क्योंकि यहाँ पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के बालकाण्ड की रचना की थी। यह स्थल धार्मिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण और प्रसिद्ध है।

सोमपाल शर्मा बने भाजपा जिलाध्यक्ष, आंवला से आदेश को फिर मिली बड़ी जिम्मेदारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। भाजपा हाईकमान के आदेश पर बरेली भाजपा को सोमपाल शर्मा के रूप में जिलाध्यक्ष मिल गया हैं। उनके नाम की घोषणा होते ही उनके समर्थक झूम उठे । दूसरी तरफ आंवला से आदेश प्रताप सिंह को फिर जिलाध्यक्ष बनाया गया है। महानगर अध्यक्ष के रूप में अधीर सक्सेना को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। सभी नामों की घोषणा बरेली के स्मार्ट ऑडिटोरियम में प्रदेश मंत्री नरेंद्र कश्यप की मौजूदगी में हुई । इस मौके पर वन मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार सक्सेना , भाजपा विधायक संजीव अग्रवाल , विधायक श्याम बिहारी सहित स्थानीय कई बड़े नेता मौजूद रहे । कार्यक्रम के अंत मे मिठाई वितरण का कार्यक्रम हुआ। माना जा रहा है जिले में भाजपा ने ब्राह्मण वोटो के लिहाज से सोमपाल शर्मा को जिलाध्यक्ष बनाकर बड़ा हित साधा है। इस फैसले से भाजपा को आगामी चुनाव में बड़ा लाभ भी मिल सकता है। सोमपाल शर्मा लंबे समय से भाजपा में है वह छोटे से बड़े पद पर भाजपा के लिए काम कर चुके है। उनके चयन पर उन्हें भाजपा के नेताओं से लगातार बधाई मिल रही हैं।

क्रॉस रिपोर्ट मारपीट, धमकाने, पीछा करने एवं छेड़छाड़ में दर्ज

अजान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर होली वाले दिन दोपहर को हुई मारपीट एवं छेड़छाड़ मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों से मिली तहरीर के अनुसार दर्ज किया मुकदमा। दोनों पक्षों से महिलाओं ने दी तहरीर। पुलिस ने भी तहरीर के अनुसार लिखा दोनों पक्षों का मुकदमा। हैदराबाद थाना क्षेत्र के एक ग्राम निवासिनी युवती ने खेतौसा के पवन कुमार, लोकराम, राकेश कुमार, राजेंद्र कुमार के विरुद्ध गाली गलौज, मारपीट व अश्लील हरकत करने का मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि वह भगौता देवी मंदिर के पास खेत पर गई थी। जहां विपक्षियों ने उसे अकेला देखकर पास आए और पड़कर मारपीट करने लगे विरोध करने पर छेड़छाड़ की है। वहीं दूसरे पक्ष की युवती ने खेतौसा के गंगाराम, अनमोल, शरद, माधवराम के विरुद्ध मारपीट,गाली गलौज, पीछा करने एवं दुष्कर्म के प्रयास व धमकाने का मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि युवती गांव के मंदिर की साफ सफाई करके वापस आ रही थी।

पत्रकार को वैगन-आर कार से कुचलने की कोशिश

- कार के नम्बर समेत थाने में की गई शिकायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। रास्ते में जा रहे लखीमपुर निवासी एक पत्रकार को वैगन-आर कार से कुचलने का प्रयास किया गया, पीड़ित ने आरोपी कार चालक के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग करते हुये लिखित तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़ित पत्रकार कार्तिकेय वर्मा पुत्र रामलोटन वर्मा निवासी गोपालनगर डान बास्को स्कूल के सामने थाना कोतवाली सदर ने पुलिस को दी गयी तहरीर मे बताया कि जब वह अपने राजापुर मंडी के निकट वाले मकान से दूसरे मकान जो डान बास्को स्कूल के सामने बना है वहा रात लगभग 10 बजे के आसपास जा रहा था तभी विपक्षी सर्वेश कुमार पुत्र शैलेन्द्र वर्मा निवासी रूद्रपुर कला थाना व जनपद खीरी जो पहले से पीड़ित कार्तिकेय से जमीनी विवाद में रंजिश मानता है तथा जान से मारने की धमकी भी दे चुका है जिसकी काल रिकार्डिंग पीड़ित के पास मौजूद हैं पीड़ित ने बताया कि विपक्षी सर्वेश कुमार ने अपनी कार पंजीकरण संख्या यूपी 31 सीबी 2273 वैगन-आर कार से कुचलकर मारने की कोशिश किया प्रार्थी ने बताया कि किसी प्रकार से जानबचाकर भागा, घटना की पुष्टि पास पड़ोस के भावनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से की जा सकती है हालांकि घटना के बाद से पीड़ित व उसका परिवार काफी दहशत में है। इस बाबत में सदर कोतवाली पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तरफ से लिखित तहरीर मिली है विपक्षी को काल किया गया जांच पड़ताल के बाद विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मौलना शहाबुद्दीन ने मुस्लिम शिक्षा पर गड़करी के बयान का किया स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने केंद्रीय नितिन गड़करी के मुस्लिमों की शिक्षा पर दिए बयान का स्वागत किया है। मौलाना ने कहा है कि केंद्रीय मंत्रीय नितिन गड़करी का बयान स्वागत योग्य है। वह उनके बयान का स्वागत करते है। उन्होंने कहा कि उनका बयान बहुत अच्छा है। उन्होंने मुस्लिम समाज के शिक्षा पर चिंता की हैं । वह अच्छी बात है। जिस तरह उन्होंने कहा कि नमाज कितनी बार पढ़े बड़े पर तालीम को बढ़ाये । अगर सब ऐसा सोचे और सुधारने की कोशिश करें साथ ही हमारे सभी मंत्री आला सोच के साथ मुस्लिमों के प्रति काम करें तो यह देश के लिए बेहतर होगा। दरअसल नागपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एक संस्था के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते मुस्लिम समाज को लेकर कहा हमारे समाज में शिक्षा की सबसे ज्यादा आवश्यकता कहीं है तो मुस्लिम समाज में हैं। उन्होंने मुस्लिम समाज में शिक्षा पर जोर देते हुए यह भी कहा था कि हम मस्जिद में एक बार नहीं सौ बार नमाज़ पढ़ें पर विज्ञान और तंत्रज्ञान को हम आत्मसात नहीं करेंगे तो हमारा भविष्य क्या होगा।

मौलाना ने केदारनाथ की विधायक पर साधा निशाना

मौलना शहाबुद्दीन ने कहा कि केदारनाथ की विधायिका आशा नोटियाल का बयान निंदनीय है। उन्होंने जिस तरह केदारनाथ में मुस्लिमों के नहीं आने का बयान दिया है। लगातार ऐसे बयान आ रहे है। इस तरह का अखाड़ा परिषद ने कुम्भ के दौरान , हाल में मथुरा में , हल्द्वानी के मेयर ने मुसलमानों के प्रति बयान दिया। यह अजीब लोगों का नजरिया है।इस तरह के बयान से नफरत फैलाई जा रही है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

बांदा।कालु कुआं अपने आवास पर दीलीप सिंह बीजेपी नेता द्वारा होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में बीजेपी नेता दीलीप सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और होली के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। इसके बाद, सभी ने एक साथ होली खेली और रंगों के साथ एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसमें गायन, नृत्य और नाटक के कार्यक्रम शामिल थे। सभी कार्यक्रमों में लोगों ने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने कहा, ष्हमें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम से लोगों में एकता और सौहार्द की भावना बढ़ेगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र में रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। युवक बाइक पर बैठकर चाय पीने जा रहे थे । इसी दौरान परसाखेड़ा के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी ,जिसमे एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि दूसरे दोस्त की भोजीपुरा के एक मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतकों की पहचान सीबीगंज के गांव सरनिया निवासी मोहम्मद अजीम और अलीगंज के गांव गेनी निवासी साहिल के रूप में हुई है। हादसे में मोहम्मद अजीम की मौके पर ही मौत हो गई। साहिल को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है। पुलिस ने बताया कि घटना में आज सुबह दो लोगों की मौत हुई हैं । दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए है।

युवक को अज्ञात वाहन ने कुचला, शव की शिनाख्त में जुटी पुलिस

बरेली। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में शनिवार देररात एक युवक को कुचल दिया ,जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई। अज्ञात वाहन चालक घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक माधोपुर गांव के सामने एक अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में मृतक का सर बुरी तरह कुचल गया था। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया है।फतेहगंज पश्चिमी थाने के प्रभारी निरीक्षक के बताया कि मृतक की पहचान के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को टी-20 मैच में नौ विकेट से हराया

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। जेकब डफी (चार विकेट), काइल जेमीसन (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद टिम साइफर्ट (44) और फिन ऐलन (नाबाद 29) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 59 गेंदे शेष रहते नौ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

पाकिस्तान के 91 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टिम साइफर्ट और फिन ऐलन की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। छठें ओवर में अबरार अहमद ने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे टिम साइफर्ट को आउटकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। टिम साइफर्ट ने 29 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए (44) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये टिम रॉबिंसन ने फिन ऐलन का बखूबी साथ निभाया और दोनों बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 10.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 92 रन बनाकर अपनी टीम को नौ विकेट से जीत दिला दी। फिन ऐलन 17 गेंद पर (29) और टिम रॉबिंसन 15 गेंद पर (18) रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान की ओर से एकमात्र विकेट अबरार अहमद ने लिया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र एक रन के स्कोर पर अपने तीन और 11 के स्कोर तक चार विकेट गवां दिये। न्यूजीलैंड के गेदबाजों ने पाकिस्तान की मोहम्मद हारिस और हसन नवाज की सलामी जोड़ी को खाता भी नहीं खोलने दिया। इरफान खान और शादाब खान(तीन) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये खुशदिल शाह ने कप्तान आगा सलमान के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में ईश सोढ़ी ने आगा सलमान (18) को आउटकर इसा साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में जेकब डफी ने खुशदिल शाह (32) को आउट कर पाकिस्तान की कमर तोड़ा दी। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज नहीं टिक सका और पूरी टीम 18.4 ओवर में 91 रन के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। अब्दुल समद (सात), जहानदाद खान(17), शाहीन शाह अफरीदी (एक), अबरार अहमद (दो) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड़ की ओर से जेकब डफी ने चार विकेट और काइल जेमीसन ने तीन विकेट लिये। ईश सोढ़ी ने दो और जैकरी फॉक्स ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

शेफाली और लैनिंग के शुरूआती विकेटों से मैच हमारे पक्ष में हो गया : मुंबई कोच एडवडर्स

एजेंसी

मुंबई। मुंबई इंडियंस की मुख्य कोच चार्लोट एडवडर्स ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विकेट जल्दी चटकाने से उनकी टीम को महिला प्रीमियर लीग फाइनल जीतने में मदद मिली।

लैनिंग 13 और शेफाली चार रन बनाकर उस समय आउट हुईं जब स्कोर बोर्ड पर 17 रन टंगे थे। जीत के लिये 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम नौ विकेट पर 141 रन ही बना सकी। एडवडर्स ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हमें पता था कि 150 रन का लक्ष्य ज्यादा बड़ा नहीं होगा लेकिन फाइनल में यह बुरा भी नहीं था। शेफाली अपना चिर परिचित प्रदर्शन नहीं कर सकी और मुझे पता था कि उसका विकेट लेने के बाद हमारे लिये मौका है। उन्होंने कहा

कि लैनिंग और शेफाली की शुरूआती साझेदारी हमारे लिये पिछले कुछ साल में सिरदर्द रही थी और उन दोनों को जल्दी आउट करने से मदद मिली। यह टीम प्रयासों का नतीजा है। इंग्लैंड की पूर्व कप्तान एडवडर्स ने 44 गेंद में 66 रन बनाने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर की तारीफ करते हुए कहा कि वह शांतचित्त होकर खेल रही थी। वह काफी प्रतिस्पर्धी है और एक और खिताब जीतना चाहती थी जिसके लिये उसने पूरा प्रयास किया। वह युवा खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराती है और विदेशी तथा अनुभवी खिलाड़ियों के साथ बखूबी काम करती है।

34वीं राष्ट्रीय सबजूनियर कबड्डी चैंपियनशिप 27 मार्च से गया में

पटना। एमेच्योर कबड्डी फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में बिहार राज्य कबड्डी संघ और गया जिला कबड्डी संघ की मेजबानी में 27 से 30 मार्च तक गया के जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल परिसर में 34वीं राष्ट्रीय सबजूनियर (बालक एवं बालिका) कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया जायेगा। बिहार राज्य कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए एक आयोजन समिति का गठन किया गया, जिसके आयोजन अध्यक्ष जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के चेयरमैन रवींद्र सिंह राठौर होंगे, जबकि आयोजन सचिव आनंद शंकर तिवारी एवं संयोजक जितेंद्र कुमार होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर से भारतीय खेल प्राधिकरण समेत कुल 58 टीमें दोनों वर्गों में भाग लेगी। श्री सिंह ने बताया कि मैचों के आयोजन के स्कूल परिसर पर चार कोर्ट का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि मैचों का आयोजन मैट कोर्ट पर होगा।

शायद मैच का दबाव नहीं झेल पाये, डब्ल्यूपीएल फाइनल हारने के बाद दिल्ली के मुख्य कोच ने कहा

एजेंसी

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच जोनाथन बैटी ने महिला प्रीमियर लीग में लगातार तीसरा फाइनल हारने के बाद कहा कि शायद उनकी टीम दबाव का सामना नहीं कर सकी। दिल्ली कैपिटल्स फाइनल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ रन से चूक गई। इससे पहले दो सत्रों में उसे आरसीबी और मुंबई ने ही हराया था। कोच ने मैच के बाद कहा कि सभी बहुत आहत हैं। मुझे लगता है कि इस विकेट पर 150 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। बड़ा मैच , फाइनल खेलने का दबाव शायद खिलाड़ी झेल नहीं पाये लेकिन मुंबई को जीत का श्रेय जाता है जिन्होंने इस स्कोर का भी बचाव कर लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमारे लिये काफी कठिन कर दिया और हम

कभी दबाव बना नहीं पाये। उन्होंने कहा कि पिछले दो फाइनल हारने का उनकी टीम पर कोई मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं था। उन्होंने कहा कि सभी लड़कियां काफी सकारात्मक थीं। मैं उन्हें दोष नहीं देता। ऐसी नकारात्मक बातें हो रही थी कि पिछले दो फाइनल हारने का कोई दबाव है लेकिन ऐसा नहीं था। वे सभी काफी सकारात्मक और आत्मविश्वास से भरी थीं। उन्होंने कहा कि कोई मानसिक गतिरोध नहीं था। हमने इस विकेट पर उन्हें 149 रन पर रोक दिया जबकि 180 रन बन सकते थे। हम हार से आहत हैं और आत्मंथन में समय लगेगा कि गलती कहां हुई। लगातार दो कड़े मुकाबले खेलें हैं और यह इतना करीबी मैच था कि बस आठ रन यानी दो चौकों के अंतर से हारे।

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद कप्तान सूजी बेट्स (47) और ब्रुक हैलीडे (नाबाद 46) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने रविवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को नौ गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली हैं। 114 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में उसने जॉर्जिया प्लिमर (चार) का विकेट गवां दिया। इसके बाद एम्मा मैकलियोड (11)रन बनाकर पवेलियन लौट गई। ब्रुक हैलीडे ने कप्तान सूजी बेट्स के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 43 रन जोड़े। 15वें ओवर में इनोशी प्रियदर्शनी फर्नांडो ने सूजी बेट्स (46) रन बनाकर आउट कर श्रीलंका को तीसरी सफलता दिलाई। हालांकि तक तक न्यूजीलैंड जीत के द्वार तक पहुंच चुकी थी। न्यूजीलैंड ने 18.3 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। ब्रुक हैलीडे (46) और इजी शार्प (आठ)रन बनाकर नाबाद रही।

श्रीलंका की ओर से इनोशी प्रियदर्शनी फर्नांडो, सुगंधिका कुमारी और अचिनी कुलसुरिया ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसने पहले ही ओवर में विशमी गुणरत्ने (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद इसके बाद श्रीलंका अंतराल पर अपने तीन और विकेट जल्द ही गवां दिये। हर्षिता समरविक्रमा (11), चामरी अट्टपटू (23) और कविशा दिलहारी (12) रन बनाकर आउट हुई।

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में बाजार हस्तक्षेप योजना से लाल मिर्च की कीमतों में सुधार, किसानों को राहत

विजयवाड़ा। लाल मिर्च के भाव में आई उल्लेखनीय गिरावट के बाद में घोषित आंध्र प्रदेश सरकार की बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) से कीमतों में उछाल आया है और किसानों के लिए ये लाभकारी स्तर पर स्थिर हो गई हैं। राज्य को इसी साल लाल मिर्च की कीमतों में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा था। मिर्च की कीमतें पिछले सत्र में 28,000 रुपये प्रति क्विंटल से गिरकर 7,000 रुपये प्रति क्विंटल से भी नीचे आ गई थीं। इस तेज गिरावट के कारण खासकर रायलसीमा, गुंटूर और पालनाडु क्षेत्रों के मिर्च किसानों के लिए वित्तीय संकट पैदा हो गया। इस स्थिति से निपटने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार ने केंद्र से कीमतों के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना शुरू करने का अनुरोध किया। 25 फरवरी को केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ मिलकर बाजार हस्तक्षेप योजना शुरू की। इसका उद्देश्य मिर्च की कीमतों को स्थिर करना था। इसके लिए 11,781 रुपये प्रति क्विंटल की खरीद कीमत तय की गई थी। इस योजना के तहत सरकार ने निर्धारित कीमत पर 25 प्रतिशत तक उपज खरीदने पर सहमति जताई थी, जिसमें केंद्र और राज्य के बीच घाटे को बराबर-बराबर बांटा जाता था। बाजार के आंकड़ों से पता चला है कि इस योजना के कारण एक सप्ताह के भीतर खुले बाजार में कीमतों में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि हुई, तथा दरें 3,000 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ गई हैं। व्यापारियों ने कुछ किस्मों के लिए 14,000 रुपये प्रति क्विंटल तक की ऊंची कीमत की पेशकश की, जो एमआईएस खरीद मूल्य से भी अधिक थी, क्योंकि उन्हें आगे भी कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार, 11 फरवरी को किस्म 334 और नंबर पांच की कीमतें 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर थीं, लेकिन एमआईएस दरें क्रमशः 12,500 रुपये प्रति क्विंटल और 13,000 रुपये हो गईं। इसी तरह, किस्म 341 की कीमतें 13,000 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 13,900 रुपये हो गईं। सूत्रों ने बताया कि इस मंजूरी आदेश के जारी होने के बाद, आंध्र प्रदेश सरकार ने बाजार हस्तक्षेप योजना के कार्यान्वयन के संबंध में सभी हितधारकों (किसानों, कृषिविदों, व्यापारियों) के साथ बैठक की। सूत्रों ने बताया कि किसानों ने सरकार को बताया कि एमआईएस की घोषणा होने के बाद से कीमतें स्थिर होने लगी हैं।

सेल 30,000 करोड़ रुपये के निवेश से राउरकेला इस्पात संयंत्र की क्षमता बढ़ाकर 90 लाख टन करेगी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल) 30,000 करोड़ रुपये के निवेश से अपने राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) की क्षमता को दोगुना से अधिक बढ़ाकर लगभग 90 लाख टन सालाना करने की तैयारी कर रही है। इस कदम से रक्षा, तेल एवं गैस, वाहन जैसे क्षेत्रों में आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। आरएसपी के प्रभारी-निदेशक आलोक वर्मा ने साक्षात्कार में कहा कि इस विस्तार के बाद आरएसपी, सेल के 2030 तक 3.5 करोड़ टन सालाना के उत्पादन लक्ष्य में करीब 25 प्रतिशत का योगदान देगी। यह विस्तार 1,200 एकड़ क्षेत्र में होगा। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से लगभग 320 किलोमीटर दूर राउरकेला में स्थित राउरकेला इस्पात संयंत्र को भारत में पहला सार्वजनिक क्षेत्र का इस्पात संयंत्र होने का गौरव प्राप्त है। इसे 1950 के दशक में जर्मनी सहयोग से शुरू किया गया था। यह संयंत्र तीन फरवरी, 1959 को चालू हुआ। उस समय तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने पहले ब्लास्ट फर्नेस 'पार्वती' को प्रज्ज्वलित किया। फिलहाल सेल की कुल इस्पात निर्माण क्षमता 2.03 करोड़ टन सालाना की है जिसमें आरएसपी का योगदान 44 लाख टन का है। अधिकारी ने कहा कि 2030 तक आरएसपी की क्षमता 50 लाख टन बढ़कर 94 लाख टन हो जाएगी। वर्मा ने कहा, विस्तार के साथ, हमारा लक्ष्य उन क्षेत्रों में एक बड़ा हिस्सा हासिल करना है, जिनकी हम सेवा करते हैं। वर्मा ने ब्योरा साझा करते हुए कहा कि इस विशाल नई विस्तार परियोजना के तहत संयंत्र के दक्षिण-पूर्व हिस्से की 1,200 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। इस विस्तार पर लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। विस्तार के तहत कच्चा माल रखरखाव संयंत्र, कोक ओवन स्टैंप चार्ज बैटरी, सिंटर संयंत्र, थिन स्लैब कास्टर-डायरेक्ट रोलिंग, कोल्ड रोलिंग मिल, सिलिकॉन मिल और लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। इसके अलावा एक नया ब्लास्ट फर्नेस और स्टील मेल्टिंग शॉप की भी स्थापना की जाएगी।

शुल्क को लेकर अनिश्चितता की वजह से अमेरिका में निवेश निर्णय में होगी देरी : टाटा टेक्नोलॉजीज

नयी दिल्ली। टाटा टेक्नोलॉजीज के अमेरिका में निवेश के निर्णय में देरी हो सकती है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक वारेन हैरिस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की शुल्क नीतियों को लेकर अभी अनिश्चितता बनी हुई है जिसकी वजह से वहां निवेश के हमारे निर्णय में विलंब हो सकता है। हालांकि, अमेरिका में महत्वपूर्ण उपस्थिति वाली वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी को उम्मीद है कि अगले एक या दो महीने में नीति को लेकर स्थिति कुछ स्पष्ट होगी। हैरिस ने डेट्रॉयट से कहा, हम उत्तरी अमेरिका में मध्यम से दीर्घावधि को लेकर बहुत आशान्वित हैं। शुल्क जैसी चीजों पर स्पष्टता की कमी मददगार नहीं है। वे हमारे ग्राहकों के लिए मददगार नहीं हैं, और क्योंकि वे हमारे ग्राहकों के लिए मददगार नहीं हैं, इसलिए निवेश के फैसले में देरी होने की संभावना है। हैरिस विभिन्न देशों के खिलाफ ट्रंप के शुल्क युद्ध के प्रभाव पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, लेकिन हम इस बारे में स्पष्ट हैं कि ट्रंप प्रशासन को बने अभी दो महीने भी नहीं हुए हैं, और इसलिए मुझे लगता है कि अगले एक या दो महीने में हम नीतिगत मामले में स्पष्टता देखने जा रहे हैं। चाहे हम शुल्क को पसंद करें या न करें, सबसे महत्वपूर्ण बात स्पष्टता की है, और एक बार जब हमारे ग्राहकों के समक्ष चीजें स्पष्ट होंगी तो वे इसके अनुसार उचित समायोजन कर सकते हैं।

आरबीआई की मुद्रा प्रबंधन परियोजना के लिए ईआईएल, मेकॉन और चार अन्य कंपनियां दौड़ में

एजेंसी

मुंबई। देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की भविष्य की नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुद्रा प्रबंधन बुनियादी ढांचे में व्यापक सुधार की परियोजना के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) और मेकॉन के साथ-साथ चार निजी क्षेत्र की कंपनियां भी दौड़ में हैं। चार निजी कंपनियां- एक्सेंचर सॉल्यूशंस, कोलियर्स इंटरनेशनल (इंडिया) प्रॉपर्टी सर्विसेज, प्राइसवाटरहाउस कूपर्स और द बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (इंडिया) हैं। आरबीआई ने इससे पहले 'भारत में मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना के आधुनिकीकरण के लिए परामर्श और परियोजना प्रबंधन सेवाओं की खरीद' के लिए रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। केंद्रीय बैंक को 11 कंपनियों से जवाब मिले थे। एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन करने के बाद आरबीआई ने कहा कि उसने प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) जारी करने के लिए छह कंपनियों को सूचीबद्ध किया है। ईओआई दस्तावेज के अनुसार, आरबीआई ने नए मुद्रा प्रबंधन केंद्रों के निर्माण, गोदाम स्वचालन की शुरुआत, सुरक्षा और निगरानी प्रणालियों की स्थापना, एक भंडार प्रबंधन प्रणाली और एक केंद्रीकृत कमान केंद्र का प्रस्ताव रखा है। एनआईसी (चलन में मौजूद नोट) की वृद्धि दर में नरमी के बावजूद, निकट भविष्य में वृद्धि सकारात्मक बनी रहने की संभावना है। हालांकि, अगले दशक में इसकी गति धीमी रहने की उम्मीद है। बैंक नोट चार प्रिंटिंग प्रेस में छापे जाते हैं, और सिक्के चार टकसालों में ढाले जाते हैं।

कार्ल्सबर्ग इंडिया की बिक्री 2023-24 में 8,000 करोड़ रुपये के पार, मुनाफा 60.5 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। प्रमुख बीयर विनिर्माता कार्ल्सबर्ग इंडिया का वित्त वर्ष 2023-24 का मुनाफा 60.5 प्रतिशत बढ़ाकर 323.1 करोड़ रुपये रहा है। कॉल्सबर्ग ने कंपनी पंजीयक (आरओसी) को इस बारे में सूचना दी है। कारोबार आसूचना मंच टॉफलर के माध्यम से प्राप्त वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए कार्ल्सबर्ग इंडिया की कुल आय 15.2 प्रतिशत बढ़कर 8,044.9 करोड़ रुपये हो गई। यह भारत में कार्ल्सबर्ग का अबतक का सबसे ऊंचा राजस्व है। इस तरह कंपनी ने 8,000 करोड़ रुपये के राजस्व के आंकड़े को पार कर लिया। कंपनी ने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एकल वित्तीय विवरण के तहत उसका मुनाफा 323 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने कहा कि बीयर उद्योग ने मात्रा के लिहाज से अच्छी वृद्धि जारी रखी है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी को लेकर बनी अनिश्चितता, ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व द्वारा एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना के कारण सेफ एसेट के रूप में वैश्विक स्तर पर पिछले सप्ताह के दौरान सोने की मांग में तेजी बनी रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहली बार शुक्रवार को सोना 3 हजार डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर को पार कर गया। घरेलू सर्राफा बाजार में भी पिछले सप्ताह के दौरान सोने के भाव में ओवरऑल तेजी बनी रही। इस एक सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने के भाव में 1,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने के भाव में 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। दूसरी ओर, घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये से लेकर

89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,200 रुपये से लेकर 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के लिए तत्काल आधार पर बाजार की निगरानी आवश्यक: मल्होत्रा

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिए बाजारों की तत्काल आधार पर निगरानी की वकालत की। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धा कानून के अर्थशास्त्र पर 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। उन्होंने बाजार में, विशेष रूप से नए उतरने वाले खिलाड़ियों के लिए समान अवसर की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री ने कहा, कोई एकाधिकार नहीं होना चाहिए।

फ़ेड रिजर्व के निर्णय पर रहेगी बाजार की नजर

एजेंसी

मुंबई। देश में इस वर्ष फरवरी में खुदरा महंगाई में नरमी आने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने से व्यापार युद्ध छिड़ने की चिंता में हुई भारी बिकवाली से बीते सप्ताह 0.7 फीसदी तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह फ़ेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निर्णय के साथ ही चीन के आर्थिक आंकड़ों पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 503.67 अंक अर्थात 0.7 प्रतिशत की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 73828.91 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 155.3 अंक यानी 0.7 प्रतिशत उतरकर 22397.20 अंक रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में अधिक बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 825.47 अंक अर्थात 2.07 प्रतिशत कमजोर रहकर सप्ताहांत पर 39062.82 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप 1761.88 अंक यानी 3.9 प्रतिशत का गोता लगाकर 43844.98 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक व्यापार युद्ध के बढ़ते प्रभाव ने बाजार की धारणा पर गहरा असर डाला है, जिससे अनिश्चितता बढ़ी है और सूचकांक सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू कारकों ने कुछ राहत प्रदान की है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने मुद्रास्फीति में नरमी और मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे के चलते सुधार के सकारात्मक संकेत दिखाए हैं। इस वर्ष फरवरी में

खुदरा महंगाई अपेक्षा से अधिक घटी है, जिससे ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इसके अलावा जनवरी में औद्योगिक उत्पादन अनुमान से बेहतर रहा, जिससे बाजार की धारणा को बल मिला और गिरावट पर अंकुश लगा। वित्त वर्ष 2026 में बढ़ा हुआ सरकारी खर्च और उपभोक्ता आय में वृद्धि इस सुधार को समर्थन प्रदान कर सकते हैं। हालांकि, वैश्विक व्यापार की अनिश्चितताएं और अमेरिकी मंदी की आशंका घरेलू बाजार की गति को प्रभावित कर सकती हैं।

इसके बावजूद हाल के सुधारों के कारण मूल्यांकन में आई नरमी, कच्चे तेल की गिरती कीमतें, डॉलर इंडेक्स में नरमी और आगामी तिमाहियों में घरेलू आय में संभावित वृद्धि जैसे कारक अस्थिरता को सीमित कर सकते हैं और बाजार में स्थिरता लाने में सहायक हो सकते हैं। अगले सप्ताह 18 और 19 मार्च को अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व की ओपेन मार्केट कमेटी की द्विमासिक मौद्रित नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। बैठक में ब्याज दरों को स्थिर रखने की व्यापक संभावना है। फ़ेड अधिकारी किसी भी मौद्रिक नीति संबंधी कदम उठाने से पहले प्रतीक्षा कर रहे हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियां कैसे लागू होंगी और उनका अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यदि श्री ट्रंप के टैरिफ के कारण आर्थिक मंदी आती है तो फ़ेड को संभावित रूप से रोजगार बाजार को समर्थन देने के लिए ब्याज दरों में कटौती करनी पड़ सकती है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सााई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कुदृष्टि का शिकार, कन्नौज का इत्र कारोबार

दिनेश दुबे

उत्तर प्रदेश के कन्नौज का मूल कारोबार देशी इत्र का निर्माण और उसकी बिक्री है। यहां का इत्र कारोबार सदियों पुराना है। शायद इसी लिहाज से कन्नौज को ''इत्र नगरी'' ही नहीं, बल्कि ''इत्र की राजधानी'' भी कहा जाता है। कन्नौज के मूल कारोबार ''देशी इत्र'' निर्माण के साथ ही यहां सहयोगी कारोबार के रूप में गुलाब जल, केवड़ा जल, गुलकंद, अगरबत्ती, धूपबत्ती, हवन सामग्री, चंदन की लकड़ी के मुट्ठे सहित कई अन्य सुगंधित उत्पादों का निर्माण भी बड़े पैमाने पर होता है। फूल, फल, पत्तियों और जड़ी- बूटियों से आसवन विधि द्वारा निर्मित देशी इत्र के साथ ही यहां के अन्य सुगंधित उत्पादों का बाजार सिर्फ अपना देश भारत ही नहीं बल्कि पूरा विश्व है। जिसके जरिए बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा सरकार के कोष में आती है। किंतु खेद का विषय ये है कि देश की सत्ता पर काबिज़ वर्तमान सरकार और उसके राजनेता विपक्ष से प्रतिद्वंदिता के चलते कन्नौज के इत्र कारोबार और इत्र कारोबारियों को बढ़ावा अथवा संरक्षण देने के बजाय सदियों पुराने पुस्तैनी कारोबार को ठप्प करने और दलगत राजनीति के आधार पर इत्र कारोबारियों का उत्पीड़न करने पर उतारू हैं।

यूपी के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी से सरकार के राजनैतिक विद्वेष की अगर किसी व्यक्ति को झांकी देखनी हो, तो उसे ऐतिहासिक नगरी कन्नौज का एक बार भ्रमण जरूर करना चाहिए। पौराणिक काल से विख्यात कन्नौज नगर देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय राजमार्ग जी टी रोड ''ग्रांड ट्रंक रोड'' अर्थात शेरशाह सूरी मार्ग के साथ ही कानपुर-कासगंज रेलवे लाइन पर स्थित है। करीब चार लाख की आबादी वाला यह नगर छोटा ही सही, किंतु इस समय भी पूरे विश्व में ''इत्र नगरी'' के नाम से विख्यात है। केंद्र व राज्य सरकार का इस नगर तथा जिले की जनता के साथ ही इसके नाम, पौराणिक व ऐतिहासिक विरासत के अलावा यहां के सदियों पुराने इत्र कारोबार व कारोबारियों से कितना विद्वेष है? इस बात का अंदाजा सिर्फ और सिर्फ तभी लगाया जा सकता है जब कोई व्यक्ति खुद यहां आकर इसकी ज़मीनी हकीकत देखे। क्योंकि स्वर्णिम इतिहास वाले कन्नौज नगर को सदियों बाद 27 साल पहले जब जिला मुख्यालय के रूप में पुनः पहचान मिली, तो यह नगर डेढ़ दशक तक बिना किसी रुकावट के दौड़ता रहा। इस दौरान जिले के रूप में कन्नौज ने गांव की गलियों से निकलकर संपर्क मार्गों, पुल-पुलियों, अस्पतालों और चिकित्सा शिक्षा के साथ ही उच्चतम तकनीकी शिक्षा के विभिन्न संस्थानों की स्थापना से लेकर अंतरराष्ट्रीय तकनीकी युक्त सबसे तेज गति और उच्च गुणवत्ता के निर्धारित मानकों से निर्मित ''आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस वे'' के सफर को तेजी से तय किया। अगर ये कहा जाए तो कतई गलत न होगा कि आज से दशक भर पहले और जिला बनने के बाद डेढ़ दशक तक विकास के पथ पर जिस गति से कन्नौज जनपद दौड़ा, उसकी गति के आस पास देश का कोई भी जिला नहीं पहुंचा। इस बीच यहां के सदियों पुराने और पुस्तैनी इत्र कारोबार को भी बाज जैसे पंख मिले।

किंतु खेद का विषय ये है कि फल, फूल, पत्तियों और जड़ी बूटियों से ही नहीं बल्कि ''मिट्टी'' से भी उसकी ''सोंधी सुगंध'' को कांच की शीशी में भर लेने की अनूठी कला के कारीगर कन्नौजवासी इन दिनों अंदर ही अंदर मायूस हैं। मायूसी के साथ ही उनकी बेबसी का आलम ये है कि इस लेखक के समक्ष भी कोई अपना पक्ष रखने को तैयार नहीं है। जिसकी मुख्य वजह ये है कि उनकी बात सत्ता और सरकार के विपक्ष की है। छोटे से ''कलमकार'' के रूप में अपनी ''कर्मभूमि'' कन्नौज की जो दशा मै स्वयं देख रहा हूं, उसे लिखते समय पीड़ा एवं निराशा हो रही है। क्योंकि पौराणिक काल से लेकर ऐतिहासिक काल तक इस नगर को सदियों तक पूरे उत्तर भारत की राजधानी रहने का गौरव प्राप्त रहा है। देश के अन्य पौराणिक व ऐतिहासिक नगरों की अपेक्षा यह नगर विदेशी आक्रांताओं के तमाम हमले झेलने के बाद भी अपने वजूद को बचाए रखने में सफल है। यही नहीं इस नगर के लोग हमेशा की तरह आज भी उदार भाव से ''अतिथि देवो भव'' की तर्ज पर मेहमानों का हृदय से स्वागत- सत्कार करते हुए वैदिक परम्परा का पालन करते हैं। बावजूद इसके यहां के लोगों को आज भी कलंकित होकर जीवन व्यतीत करना पड़ रहा है। वर्तमान सरकार का नारा ''सबका साथ, सबका विकास'' कन्नौज के लिए थोथा साबित हो रहा है। जिसके चलते न सिर्फ कन्नौज जिले का आम जन मानस खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है बल्कि कन्नौज का सदियों पुराना इत्र व्यवसाय भी चौपट होता जा रहा है। क्योंकि वर्तमान सरकार कन्नौज के इत्र निर्माताओं व व्यवसायियों को सुविधा और संरक्षण देने के बजाय उन्हें तरह- तरह से प्रताड़ित करने पर उतारू है।

यह बात अलग है कि कन्नौज नगर अथवा उसके आस- पास न तो चंदन के पेड़ होते हैं और न ही केवड़ा की खेती होती है। गुलाब और गेंदे की खेती भी कन्नौज में उतनी नहीं होती, जितनी यहां के इत्र व्यवसायियों की आवश्यकता है। इसके बावजूद कन्नौज के इत्र कारोबारी देश के अन्य जनपदों व प्रदेशों में जाकर चंदन की लकड़ी, गुलाब, केवड़े और गेंदे के फूल की खरीद करके इत्र कारोबार से जुड़े इन प्रमुख उत्पादों का बड़े पैमाने पर निर्माण तथा व्यापार करते हैं । देखा जाए तो इत्र कारोबार में चंदन की लकड़ी का तेल ही वह मुख्य अवयव होता है, जिस पर किसी भी फल, फूल, पत्ती, छाल अथवा वनस्पति की खुशबू को संरक्षित करते हुए इत्र का निर्माण किया जाता है । देशी चंदन की लकड़ी से आसवन विधि द्वारा निकाले गए तेल पर वाष्पन विधि से आसवित की गई किसी भी वनस्पति की सुगंध वाले इत्र की कीमत सर्वाधिक होती है।

कन्नौज के मूल निवासियों अथवा यहां की सदियों पुरानी पद्धति से निर्मित देशी इत्र सिर्फ भारत देश में ही नहीं बल्कि विश्व भर के देशों में पूजा-अर्चना के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। दुर्लभ जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक सम्पदा से शुद्धता के साथ निर्मित जीव- जंतु के हड्डी- मांस व चर्बी अथवा केमिकल रहित होने के कारण विश्व के सभी धर्मावलंबी कन्नौज के देशी इत्र को शुद्ध सुगंध के रूप में प्रयोग करते हैं। यहां के प्रमुख इत्र ''केवड़ा'' व केवड़ा जल को मिठाइयों और पकवानों के साथ ही शरबत तथा पेय उत्पादों में प्रयोग करने के अलावा प्रसाद व पूजन में भी शामिल किया जाता है। इत्र गुलाब और गुलाब जल का उपयोग भी इत्र केवड़ा की तरह ही किया जाता है। कन्नौज के दूसरे और ठंडी तासीर वाले प्रमुख इत्र उत्पाद ''खस'' को भी इत्र केवड़ा की तरह ही प्रयोग किया जाता है। बंजर जमीन में स्वता उगने वाली खस भी कन्नौज नगर व जिले की खेती में नहीं उगती है, उसे भी यहां के इत्र कारोबारी बाहर के जिलों से खुद ही खुदवाकर लाते हैं और फिर उसका इत्र तैयार करते हैं। जबकि तीसरे और गर्म तासीर वाले प्रमुख इत्र उत्पाद ''शमामा'' को खाने वाली तम्बाकू को तीखा और सुगंधित बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। गरम तासीर वाले इत्र ''शमामा'' का उपयोग सुगंध के लिए अरब देशों के लोग सर्वाधिक करते हैं। इसके अतिरिक्त यहां निर्मित होने वाले प्रमुख देशी इत्रों में बेला, गुलाब गेंदा, चमेली और केतकी का प्रयोग विभिन्न सौंदर्य उत्पादनों एवं विलासिता के प्रसाधन निर्माण में होता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं
मोबाइल : 9415147159
ईमेल : dineshknj1@gmail.com

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)
स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस(से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने हनुमानगढ़ी के दर्शन किए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार रविवार को रामनगरी अयोध्या पहुंचे। यहां पर उन्होंने हनुमानगढ़ी में हनुमत लला का दर्शन पूजन किए। इसके बाद वह राम जन्मभूमि में रामलला का दर्शन और पूजन करेंगे। हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी हेमंत दास ने बताया कि डीजीपी प्रशांत कुमार को सपत्नी हनुमान जी महाराज का दर्शन पूजन किया है। इस अवसर पर उन्हें आशीर्वाद स्वरूप हनुमान जी महाराज की प्रतिमा एवं रामनामा भेंट किया। उनके साथ आईजी प्रवीण कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर सहित पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे। अयोध्या पहुंचे डीजीपी प्रशांत कुमार रामनवमी को लेकर अधिकारियों से बैठक कर सकते हैं। अयोध्या में 30 मार्च से राम नवमी का मेला शुरू होगा, जिसे सकुशल सम्पन्न कराने के लिए तैयारियों में प्रशासन जुटा हुआ है।

हटिया के ऐतिहासिक पार्क में 14 लाख से बना पक्षी संरक्षण गृह, छह प्रजाति के 80 पक्षियों से माहौल हुआ खुशनुमा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। प्राकृतिक सौंदर्यता को बढ़ाने में पक्षियों का बड़ा ही योगदान रहा हैं। सुबह की शुरुआत पक्षियों के चहचहाने से ही होती हैं लेकिन आजकल की भागदौड़ वाली ज़िन्दगी में हम इससे मेहरूम होते चले जा रहे हैं। यह बातें रविवार को कानपुर के हटिया के ऐतिहासिक पार्क में बने पक्षी संरक्षण गृह के संरक्षक विनय सिंह ने कही। विनय ने बताया कि ऐतिहासिक रज्जन बाबू पार्क में 720 स्क्वायर फीट में पक्षी संरक्षण गृह तैयार कराया है। आज के समय में पक्षी गुम होते जा रहे है, घर के आसपास सुबह के समय चिड़ियों की चहचहाट सुनाई नहीं देती थी। जिस पर उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्यता को बढ़ाने के लिए वर्ष 2023 में विधायक निधि से 14 लाख की लागत में पक्षी संरक्षण गृह तैयार कराया। उन्होंने बताया कि प्रकृति की सुंदरता से युवाओं को जोड़े रखने व बुजुर्गों के दिलों में पुराने दिनों की यादें ताजा रखने के लिए ऐतिहासिक पार्क में पक्षी संरक्षण गृह तैयार किया है। इस पक्षी संरक्षण गृह में आस्ट्रेलियन समेत करीब 6 प्रजाति के 80 पक्षी मौजूद है, जिनकी मधुर ध्वनि आसपास के लोगों की सुबह खुशनुमा बनाने का काम कर रही है। संरक्षण गृह में पाइन एप्पल, लवबर्ड, बजरी, डायमंड डक, कॉकाटिल जैसी प्रजाति के कुछ पक्षियों के जोड़े लाए गए। आज पक्षी संरक्षण गृह में 80 पक्षी है, जिनकी चहचहाट से पार्क में लोग सुकून के पलों एहसास लेते है। विनय सिंह ने बताया कि इन पक्षियों को सूरजमुखी के बीज, काकून, चने, मौसमी फल व मकाई दिया जाता है। जिनमें सालाना एक लाख रुपए का खर्च आता है। विनय पक्षी के रखरखाव व खाने का खर्च खुद व्यय करते है।पक्षियों के प्रजनन के लिए गृह में अलग से लकड़ी के घर भी तैयार किए गए हैं, जिनमें वह अपने बच्चों को आसानी से रखते हैं। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने व पक्षी संरक्षण गृह को हरा भरा रखने के लिए गृह में मनोकामनी व सीजनल फूलों के पौधे भी लगाने की तैयारी की जा रही है।

बेगमपुल से यात्रियों को नमो भारत और मेट्रो की सुविधा मिलेगी

■ मेरठ के सबसे बड़े अंडरग्राउंड स्टेशन बेगम पुल पर बिछा ट्रैक, फिनिशिंग अंतिम चरण में

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

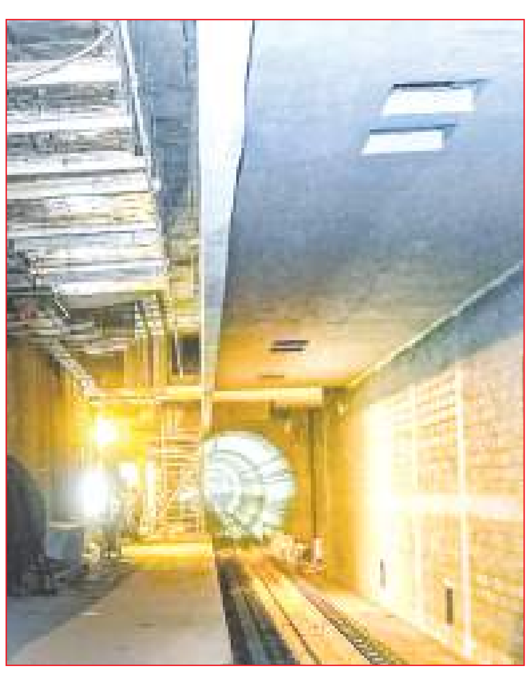

गाजियाबाद। मेरठ के बड़े व्यापारिक केंद्र बेगम पुल में शहर का सबसे बड़ा अंडरग्राउंड नमो भारत स्टेशन बनाया जा रहा है। इस स्टेशन पर दोनों लाइन (अप और डाउन) के लिए ट्रैक बिछाया जा चुका है, वहीं फिनिशिंग कार्य अंतिम चरण में तीव्र गति से जारी है। इसके साथ ही फ्लोरिंग और मार्बल बिछाने समेत अन्य कार्य भी किए जा रहे हैं। नेशनल केपीटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि बेगम पुल मेरठ में एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन है, जहां से नमो भारत और मेरठ मेट्रो की सुविधा यात्रियों को मिलेगी। इस स्टेशन पर दो ट्रैक बनाए गए हैं, जहां पर अत्याधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम की मदद से दोनों ट्रेन गुजरेंगी। ऐसा देश में पहली बार होगा कि सेमी-हाई स्पीड नमो भारत और मेट्रो एक ही ट्रैक पर दौड़ती नजर आएंगी। स्टेशन पर तकनीकी कमरे भी बनकर तैयार हो गए हैं। फर्श बिछाने व अन्य फिनिशिंग कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। वातानुकूलन के लिए एसी डक्ट्स भी लगाए जा चुके हैं। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स (पीएसडी) लगाने का कार्य भी तेज गति से हो रहा है। स्टेशन में सभी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए व आसपास सीसीटीवी कैमरे भी जल्दी लगाए जाएंगे। बेगमपुल स्टेशन की लंबाई लगभग 246 मीटर और चौड़ाई करीब 24.5 मीटर है। स्टेशन की गहराई करीब 22 मीटर है। इतनी गहराई के बावजूद यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा गया है और प्रत्येक प्रवेश-निकास द्वार पर एक लेवल से दूसरे लेवल पर आने-जाने को अलग-अलग जगहों पर कुल 20 एस्केलेटर्स का प्रावधान है, जिनमें से 13 लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस स्टेशन में चार लेवल हैं। ग्राउंड के अलावा, मेजनाइन, कॉनकोर्स और प्लैटफ़ार्म लेवल। कॉनकोर्स लेवेल पर यात्री संबंधी सुविधाएं होंगी, जहां यात्री सुरक्षा जांच के बाद एएफसी गेट से अंदर जा सकेंगे। प्लेटफार्म लेवल आइलैंड टाइप का है, जहां दोनों दिशा में जाने के लिए ट्रेन मिलेगी। स्टेशन पर सीढ़ियों के साथ-साथ सात लिफ्ट का निर्माण भी किया जाएगा, जिनमें से तीन लगभग लग चुकी हैं। एनसीआरटीसी ने मेडिकल संबंधी सहायता के लिए भी स्टेशनों को तैयार किया है। प्रत्येक स्टेशन पर ऐसी लिफ्ट बनाई गई हैं, जिनका आकार बड़ा है, ताकि मेडिकल सबंधी सहायता के लिए जरूरत पड़ने पर इसमें स्ट्रेचर आदि भी ले जाई जा सके। साथ ही ट्रेन में भी स्ट्रेचर ले जाने की सुविधा है। बेगम पुल पर रोजाना बड़ी संख्या में लोग अपनी जरूरत का सामान खरीदने के लिए आते हैं। ये स्टेशन बाजार के बीचों-बीच स्थित है और ट्रेन का संचालन शुरू होने से लोगों के लिए काफी सुविधाजनक हो जाएगा। लोग बेगम पुल स्टेशन से ना सिर्फ मेट्रो से मेरठ शहर के अंदर बल्कि नमो भारत ट्रेन से गाज़ियाबाद या दिल्ली तक की यात्रा भी कर पाएंगे।

पीयू को भारत में नेचर इंडेक्स रैंकिंग में उप्र के राज्य विश्वविद्यालयों में दूसरा स्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2024 में उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही भारत में 125 वां स्थान है। विश्वविद्यालय का काउंट 2 और शेयर 0.74 दर्ज किया गया है, जो इसके शोध और अकादमिक उत्कृष्टता को दर्शाता है। बताते चलें कि, विश्वविद्यालय द्वारा उच्च श्रेणी के रिसर्च जर्नल्स में प्रकाशन के फलस्वरूप यह उपलब्धि हासिल हुई है। जो विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक शोध क्षमता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा में बढ़ती प्रतिष्ठा को प्रमाणित करती है। नेचर इंडेक्स एक प्रतिष्ठित वैश्विक मानक है, जो शोध पत्रों की गुणवत्ता और प्रभाव को मापता है। यह सूचकांक शिक्षण संस्थानों और शोध केंद्रों के शोध कार्यों का आंकलन करता है, जिससे उनकी वैश्विक शोध प्रतिष्ठा को आंका जाता है। इसमें दो प्रमुख मेट्रिक्स का उपयोग किया जाता है। काउंट किसी संस्थान द्वारा प्रकाशित कुल शोध पत्रों की संख्या, किसी शोध पत्र में संस्थान के योगदान का अनुपात, विशेष रूप से जब शोध में कई संस्थान शामिल होते हैं। नेचर इंडेक्स नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण मानक है, जिससे वे उन्नत शोध और नवाचार के लिए संस्थानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन कर सकें। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह द्वारा शोध की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में, पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। साथ ही साथ विज्ञान, पर्यावरण, चिकित्सा, कम्प्यूटर विज्ञान और कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ शोध सहयोग से शोध कार्य चल रहे हैं। पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शोध को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, शोध अनुदान, और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे कई कदम उठाए हैं। उच्च गुणवत्ता वाले शोध के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस प्रयोगशालाएं, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय भागीदारी प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग, इंडस्ट्री-शोध को उद्योगों से जोड़कर व्यावहारिक समाधान विकसित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय को (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) द्वारा इ+ की उच्च रैंकिंग प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा डीएसटी-पर्स योजना के अंतर्गत 07 करोड़ 13 लाख रुपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश और भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। विश्वविद्यालय अब अंतरराष्ट्रीय शोध मानकों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस मामले में रविवार को बात करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि ''पूर्वांचल विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य शोध कार्यों को प्रोत्साहित करना और वैज्ञानिक नवाचारों में विश्वविद्यालय की भागीदारी बढ़ाना है। शिक्षकों और शोधार्थियों की मेहनत का परिणाम है कि आज पूर्वांचल विश्वविद्यालय इस सम्मानजनक स्थान पर पहुंचा है।